राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 27 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–210 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डेंजर लेवल के करीब पहुंचीं गंगा

वरुणा उफनाई: वाराणसी में 20 से ज्यादा कॉलोनी और 150 गांव बाढ़ की चपेट में, पीएम मोदी ने जाना हाल

वाराणसी। वॉर्निंग पॉइंट को पार कर चुकी गंगा अब डेंजर लेवल की ओर बढ़ रही हैं। केंद्रीय जल आयोग की शुक्रवार की 4 बजे की रिपोर्ट के अनुसार, गंगा अपने वॉर्निंग पॉइंट यानी 70.26 मीटर से 79 सेंटीमीटर ऊपर 71.05 मीटर पर बह रही थी। गंगा का यह जलस्तर डेंजर लेवल यानी 71.26 मीटर से मात्र 21 सेंटीमीटर ही कम है। आज गंगा का जलस्तर प्रति घंटे तीन सेंटीमीटर की दर से बढ़ रहा है। वहीं, गंगा में आई बाढ़ के चलते वरुणा नदी भी उफनाई हुई है और उसके दोनों किनारों पर रहने वाले लोग सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर लिए हैं। इस तरह से गंगा और वरुणा की बाढ़ से 20 से ज्यादा कॉलोनियों और 150 गांवों के लोग प्रभावित हुए हैं। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमिश्नर दीपक अग्रवाल को फोन कर वाराणसी के बाढ़ प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा है कि किसी भी प्रकार की आकस्मिक आवश्यकता हो तो सीधे उन्हें बताया जाए। गंगा में आई बाढ़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने 40 बाढ़ राहत शिविर चिह्नित किए हैं। इनमें से 11 बाढ़ राहत शिविर एक्टिव मोड में हैं। इन राहत शिविरों में अब तक 1290 लोगों को ठहराया गया है। प्रत्येक बाढ़ राहत शिविर पर उप जिलाधिकरी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, तहसीलदार और नायब तहसीलदार को नोडल अफसर बनाया गया है। राहत शिविरों के लिए 40 मेडिकल टीम का गठन किया गया है, जहां अब तक 353 लोग अपना उपचार करा चुके हैं। बाढ़ से मवेशी भी प्रभावित हुए हैं और अब तक पशु चिकित्सा विभाग की टीम 117 मवेशियों का उपचार कर चुकी है। गंगा के 84 घाट वाराणसी के लोगों की आजीविका के एक बड़े माध्यम हैं। गंगा में आई बाढ़ के चलते

नाविकों, तीर्थ पुरोहितों, फूल-मालाएं बेचने वालों, नाई, टूरिस्ट गाइड और चाय-नाश्ता से लेकर अन्य तरह की दुकानों के संचालकों का कामकाज ठप पड़ गया है। एक अनुमान के अनुसार गंगा और वरुणा में आई बाढ़ के कारण रोजाना कमाने-खाने वाले 5000 से ज्यादा लोगों की रोजी-रोटी बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसी तरह से मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह के काम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मणिकर्णिका घाट पर ऊंचे प्लेटफार्म पर और हरिश्चंद्र घाट पर गली में शवों की अंत्येष्टि की जा रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की नई कामयाबी, इस रूट पर 180 किमी की स्पीड पकड़ी

नई दिल्ली। भारत की लोकोमोटिव-कम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ने परीक्षण के दौरान 180 किमी प्रति घंटे की गति सीमा पार कर ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ये जानकारी देते हुए ट्विटर पर वीडियो भी साझा किया है। वीडियो शेयर करते हुए अश्विनी वैष्णव ने ट्विटर पर लिखा- वंदे भारत-2 का स्पीड ट्रायल कोटा-नागदा सेक्शन के बीच हुआ और इसने 120/130/150 और 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पार की। वंदे भारत एक्सप्रेस वर्तमान शताब्दी एक्सप्रेस की जगह लेगी। ट्रेन 18 करीब 200 किमी प्रति घंटे की गति छूने में सक्षम है बशर्ते भारतीय रेलवे की बाकी प्रणाली जैसे ट्रैक और सिग्नल की अनुमति हो। 16 डिब्बों के साथ इस ट्रेन में शताब्दी एक्सप्रेस के समान यात्री क्षमता होगी। इसमें गंतव्यों पर तेज मोड़ के लिए दोनों सिरों पर वायुगतिकीय रूप से डिजाइन किए गए ड्राइवर केबिन हैं। ये ट्रेन एक उन्नत पुनयोर्जी ब्रेकिंग सिस्टम का समर्थन करती है जो बिजली की बचत करती है। पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन बेहतर यात्री आराम और सुरक्षा प्रदान करती है, क्योंकि सभी उपकरण गाड़ी के नीचे लगे होते हैं, ताकि ट्रेन के अंदर अधिक जगह उपलब्ध हो। 110 किमी के सफल ट्रायल रन के बाद कोटा-नागदा सेक्शन पर दूसरे चरण का ट्रायल रन शुरू हुआ जिसमें ट्रेन 180 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से दौड़ेगी। रेलवे के मुताबिक, ट्रायल रन पूरा होने के बाद इसकी रिपोर्ट रेलवे सेफ्टी कमिश्नर को भेजी जाएगी। सुरक्षा आयुक्त से हरी झंडी मिलने के बाद नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दूसरे नए रूट पर चलने लगेगी।

कांग्रेस का आजाद पर पलटवार

कहा- जीएनए का डीएनए 'मोदी-फाइड' हुआ, उनके असली चरित्र का पता चला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुलाम नबी आजाद द्वारा पार्टी नेतृत्व की आलोचना करने पर शुक्रवार को पलटवार किया। पार्टी ने उनके इस्तीफे को उनके राज्यसभा कार्यकाल के अंत से जोड़ा और आरोप लगाया कि उनके विश्वासघात से उनके असली चरित्र का पता चलता है और उनका डीएनए 'मोडी-फाइड' है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, एक व्यक्ति जिसके साथ कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सबसे अधिक सम्मान के साथ व्यवहार किया गया है, उसने अपने शातिर व्यक्तिगत हमलों से धोखा दिया है जो उसके असली चरित्र को उजागर करता है। जीएनए (गुलाम नबी आजाद) का डीएनए 'मोडी-फाइड' है। पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेरा ने भी आजाद पर निशाना साधा और उनके इस्तीफे को उनके राज्यसभा कार्यकाल के अंत से जोड़ा। खेरा ने कहा, ₹जैसे ही आपका राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हुआ, आप बैचेन हो गए। आप एक पल के लिए भी एक पद के बिना नहीं रह सकते थे। आजाद ने शुक्रवार को संगठनात्मक चुनावों से पहली अपनी प्राथमिक सदस्यता सहित पार्टी के के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया और नेतृत्व पर पार्टी के आंतरिक चुनावों के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने अपने इस्तीफे में राहुल गांधी की भी कड़ी आलोचना की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि राहुल गांधी हमारे नेता हैं और रहेंगे। हमने राहुल गांधी के साथ हमारा लेन-देन का रिश्ता नहीं है। पार्टी के लिए कुछ करना हमारा कर्तव्य है। यह सही नहीं है कि जो लोग पार्टी से इतने लंबे समय तक जुड़े रहे, वे इतनी छोटी सी बात पर उसे छोड़ देते हैं। खुर्शीद ने आगे कहा कि ऐसा नहीं है कि हम कही नहीं जा सकते लेकिन हम नहीं जाएंगे और पार्टी के साथ रहेंगे। हम पार्टी के साथ इस देश का भविष्य देखते हैं और उम्मीद करते हैं कि पार्टी का उत्थान होगा। गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को लेकर खुर्शीद ने कहा, आज ऐसी क्या बात हो गई कि वह नाराज हो गए? किसी बात पर उठकर चले जाना ठीक नहीं है। हमारी पार्टी की जो सोच है और अगर उस सोच को भुलाकर अगर कोई एकदम से नया रास्ता अपना रहा है, उसको वह रास्ता मुबारक। हम जैसे लोग पार्टी में नहीं जाएंगे।

जवाहर तापीय परियोजना में बवाल: मजदूर की मौत के बाद पुलिसकर्मी और एसडीएम पर पथराव

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में जवाहर तापीय परियोजना में चिमनी का निर्माण कार्य होने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बताया गया है कि अचानक झूला टूटने से काम कर रहे मजदूर गिर गए। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद मौके पर मजदूरों और कर्मचारियों की भीड़ जमा हो गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने मृतक का शव नहीं उठने दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीएम पर पथराव कर दिया, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। जवाहर तापीय परियोजना में शुक्रवार दोपहर चिमनी का निर्माण का कार्य चल रहा था। चिमनी के ऊपरी हिस्से तक पहुंचने के लिए झूला बनाया गया था। झूला अचानक से टूट गया और मजदूर जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में मजदूर की मौत हो गई। मृतक का नाम अक्षय कुमार पुत्र दुलाराम निवासी जिला गढ़वा, झारखंड़ बताया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जैसे की शव को ले जाने का प्रयास किया, तो आक्रोशित लोगों ने मृतक का शव नहीं उठने दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीएम पर पथराव कर दिया, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई।

बाहर धरने पर चीखती रही श्रीकांत त्यागी की पत्नी

और अंदर बैठक लेते रहे सीएम योगी

मेरठ। श्रीकांत त्यागी प्रकरण में कमिश्नरी स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। दूसरे दिन भी श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी समाज के अनिश्चितकालीन धरने में पहुंची। बता दें कि कमिश्नरी सभागार में जहां सीएम योगी आज अधिकारियों के साथ अंदर बैठक ले रहे थे। वहीं बाहर पार्क में धरने पर बैठी श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी चीख-चीख कर न्याय की गुहार लगाती रहीं। अनु त्यागी ने कहा कि पुलिसकर्मी उनके साथ भी अभद्रता करते हुए गाड़ी में बैठाकर थाने ले गए। उस समय कोई भी महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी। थाने में प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि नेताओं की संपति की जांच की जानी चाहिए।

अनु त्यागी ने कहा कि थाना प्रभारी ने जिस तरह के अपशब्द बोले उन्हें बताया नहीं जा सकता। तीन दिन थाने में रखा गया। घर की बिजली काट दी गई और 16 घंटे तक बच्चे भूखे रहे। नौ और 12 साल के बच्चों को सोसायटी के लोगों ने गुंडा कहा। सोसायटी के कुछ लोगों ने पहले से ही साजिश रची थी। मात्र छह इंच का पौधा लगाने को लेकर विवाद हो गया। सांसद महेश शर्मा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके अस्पताल में किए जा रहे अवैध निर्माण की जांच की जानी चाहिए। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा त्यागी समाज को एकजुट होना होगा। सांसद राजेंद्र अग्रवाल और महेश शर्मा को जवाब देने का समय आ गया है। श्रीकांत त्यागी का गाली देना गलत था लेकिन जो कार्रवाई की गई उसका हम विरोध करते हैं। त्रिलोक त्यागी ने कहा कि नोएडा में हुई महापंचायत में सांसद महेश शर्मा ने करीबियों को मंच पर बैठाया। वहीं शुक्रवार सुबह धरने के दौरान सांसद राजेंद्र अग्रवाल और महेश शर्मा मुदार्बाद के नारे भी लगाए। त्यागी समाज के प्रबुद्ध लोगों ने गुरुवार रात कमिश्नर सुरेंद्र सिंह, डीएम दीपक मीणा, एसएसपी रोहित सजवाण से वार्ता की। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री से मिलने की मांग रखी। कमिश्नर ने त्यागी समाज से धरना समाप्त करने के लिए कहा। त्यागी समाज के लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री से मिलवा दीजिए हम धरना खत्म कर देंगे। कमिश्नर ने कहा कि मुख्यमंत्री से मिलवाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

पुलिस के सामने खूनी संघर्ष:राशन डिपो के चार्ज को लेकर दो पक्षों में चले लाठी-डंडे और हथियार

सहारनपुर। गंगोह में राशन डिपो के चार्ज को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। दो पक्षों में खूब लाठी-डंडे चले। गोली भी चलाए जाने का आरोप है। खूनी संघर्ष में 13 लोग घायल हो गए। करीब 45 मिनट तक यह खूनी संघर्ष चलता रहा। पुलिस के सामने ही यह सब चलता रहा। पुलिस झगड़ा छुड़वाने का प्रयास करती रही, लेकिन भीड़ के आगे असहाय दिखी। तनाव की स्थिति देख पुलिस फोर्स तैनात है। गांव दौलतपुर में राशन डिपो के चार्ज को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। दरअसल, एक पक्ष के पास काफी समय से राशन डिपो चला आ रहा था। आरोप है कि वह उपभोक्ताओं को राशन नहीं दे रहा था। इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। गुरुवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। खूनी संघर्ष हुआ।

भाजपा नेता सोमैया का आरोप- आदित्य ठाकरे और असलम शेख के नेतृत्व में हुआ 1,000 करोड़ का घोटाला

मुम्बई। महाराष्ट्र भाजपा के नेता किरीट सोमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे और कांग्रेस के असलम शेखर 1,000 करोड़ रुपये के स्टूडियो घोटाले में शामिल थे। सोमैया ने कहा कि दोनों कथित तौर पर मुंबई के उत्तरी मलाड उपनगर के मध-मार्वे इलाके में तटीय विनियमन क्षेत्रों (कॉस्टल रेगुलेशन जोन) का उल्लंघन करके एक फिल्म स्टूडियो के निर्माण से जुड़े थे, जो दिन अधिकारियों के साथ साइट का दौरा करते थे। पूर्व लोकसभा सांसद ने संवाददाताओं से कहा, फरवरी 2021 में महाराष्ट्र पर्यावरण मंत्रालय द्वारा कॉस्टल रेगुलेशन जोन में एक फिल्म के सेट के लिए अनुमति दी गई थी जिसका नेतृत्व उस समय आदित्य ठाकरे कर रहे थे। हालांकि, कॉमर्शियल फैसिलिटी के साथ एक सीमेंट-कंक्रीट स्ट्रक्चर सामने आया। सोमैया ने आरोप लगाया, जुलाई 2021 में स्ट्रक्चर को ध्वस्त करने के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई और नागरिक निकाय (सिविक बॉडी) ने अक्टूबर 2022 तक स्टूडियो का विस्तार किया। स्टूडियो और कॉमर्शियल फैसिलिटी 1,000 करोड़ रुपये का घोटाला है। जिस इलाके में कथित स्टूडियो बना है वह कांग्रेस विधायक असलम शेख के विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जो पहले ही इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं।

कान्हा के ब्रज के कायाकल्प के लिए खर्च होंगे 16 हजार करोड़, मथुरा-वृंदावन बाईपास परियोजना मंजूर

मथुरा। सनातन संस्कृति में ब्रज की 84 कोसीय परिक्रमा को मोक्षदायिनी माना जाता है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार यह विश्वास किया जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने मैया यशोदा और नंदबाबा के दर्शनों के लिए सभी तीर्थों को ब्रज में ही बुला लिया था। 84 कोस की परिक्रमा लगाने से 84 लाख योनियों से छुटकारा मिलता है। सरकार 84 कोसीय परिक्रमा की इस शास्त्रीय जन आस्था को नवाकार देने में, श्रद्धालुओं के लिए सुविधा बढ़ाने में जुटी हुई है। ब्रज का परिक्रमा मार्ग शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर की नजीर बनने जा रहा है। सरकार की मंशा के अनुरूप भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

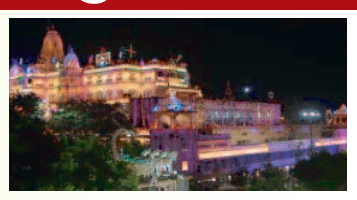

(एनएचएआई) द्वारा राधा-कृष्ण की लीला स्थली में 84 कोसीय परिक्रमा मार्ग के विकास की योजना स्वीकृत की गई है। इसका डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का कार्य प्रगति पर है। योजना की अनुमानित लागत 9000 करोड़ रुपये है। इसी तरह भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा मथुरा-वृंदावन बाईपास परियोजना को भी मंजूरी प्रदान की गई है। इसका भी डीपीआर बनाने का कार्य प्रगति पर है। योजना की अनुमानित लागत करीब 6100 करोड़ रुपये है । देश-विदेश के श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए मथुरा से वृंदावन को जोड़ने वाली 12.8 किमी रेल लाइन का पुनर्विकास किया जाना भी प्रस्तावित है। इसकी अनुमानित लागत 850 करोड़ रुपये है। रेल लैण्ड डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। मान्यता है कि ब्रज भूमि पर परिक्रमा लगाने से एक-एक कदम पर जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। सनातनी शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि इस परिक्रमा के करने वालों को एक-एक कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। साथ ही जो व्यक्ति इस परिक्रमा को लगाता है, उस व्यक्ति को निश्चित ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके महात्म्य का वर्णन वेदों एवं पुराणों में भी मिलता है। गर्ग संहिता में यह आख्यान मिलता है कि यशोदा मैया और नंदबाबा ने एक बार भगवान श्रीकृष्ण से चार धाम की यात्रा की इच्छा जाहिर की। उनकी अधिक हो चुकी आयु के दृष्टिगत प्रभु ने सभी तीर्थों व चारों धामों का आह्वान कर उन्हें ब्रज के 84 कोस की भूमि के दायरे में प्रतिष्ठित कर दिया। मैया यशोदा और नंदबाबा ने 84 कोसीय परिक्रमा कर आत्मीय संतुष्टि को प्राप्त किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शिक्षा में क्रांति की आशा ?

भारत को आजाद हुए 75 साल हो गए लेकिन अंग्रेजी की गुलामी हमारी शिक्षा, सरकार, अदालत और व्यापार में भी सर्वत्र ज्यों की त्यों चली आ रही है। इस गुलामी को चुनौती देने का अर्थ यह नहीं है कि हमारे बच्चे अंग्रेजी न सीखें या अंग्रेजी पढ़ने और बोलने को हम पाप समझने लगें।

(लेखक- डॉ वेदप्रताप वैदिक)

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने आज आशा जताई है, यह कहकर कि विभिन्न विषयों की लगभग 1500 अंग्रेजी पुस्तकों का अनुवाद शिक्षा मंत्रालय भारतीय भाषाओं में करवाएगा और यह काम अगले एक साल में पूरा हो जाएगा। यदि देश के सारे विश्वविद्यालयों को इस काम में जुटा दिया जाए तो 1500 क्या, 15 हजार किताबें अपनी भाषा में अगले साल तक उपलब्ध हो सकती हैं। हमारे करोड़ों बच्चे यदि अपनी मातृभाषा के माध्यम से पढ़ेंगे तो वे अंग्रेजी रटने की मुसीबत से बचेंगे, अपने विषय को जल्दी सीखेंगे और उनकी मौलिकता का विकास भी भलीभांति होगा। भारत को आजाद हुए 75 साल हो गए लेकिन अंग्रेजी की गुलामी हमारी शिक्षा, सरकार, अदालत और व्यापार में भी सर्वत्र ज्यों की त्यों चली आ रही है। इस गुलामी को चुनौती देने का अर्थ यह नहीं है कि हमारे बच्चे अंग्रेजी न सीखें या अंग्रेजी पढ़ने और बोलने को हम पाप समझने लगें। अंग्रेजी ही नहीं, कई विदेशी भाषाओं के लाखों जानकारों का भारत में स्वागत होना चाहिए लेकिन भारत को यदि महाशक्ति या महासंपन्न बनना है तो उसे हर क्षेत्र में स्वभाषाओं को प्राथमिकता देनी होगी। यह काम मोदी सरकार कर सके तो वह भारत की अधूरी आजादी को पूरी आजादी में बदल देगी। इस मुद्दे को आजकल हमारे गृहमंत्री अमित शाह भी जमकर उठा रहे हैं। लेकिन मुश्किल यह है कि हमारी सारी सरकारों को चलानेवाले असली मालिक हमारे नौकरशाह ही हैं। यह सरकार उनके चंगुल से बाहर निकल सके तो यह शायद कुछ चमत्कार कर सके। यदि भारत शिक्षा के क्षेत्र में यह क्रांतिकारी काम कर दिखाए तो हमारे पड़ौसी देशों की शिक्षा-व्यवस्था का भी अपने आप उद्धार हो सकता है। हमारे पड़ौसियों में अफगानिस्तान कभी अंग्रेज का गुलाम नहीं रहा। इसीलिए आज भी वहां ऊँची से ऊँची पढ़ाई फारसी (दरी) या पश्तो के माध्यम से होती है। अब से 50-60 साल पहले मैंने खुद देखा कि काबुल पोहन्तून (विवि) के प्रोफेसर छुट्टियों में अपने विषयों की जो किताबें अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच और रूसी भाषा में होती थीं, उनका फारसी अनुवाद करके लाते थे। तभी उन्हें वेतन में बढ़ोतरी मिलती थी। यह नियम हमारे यहाँ भी पूरे देश में क्यों नहीं लागू हो सकता है? अब विवि अनुदान आयोग इतनी जबर्दस्त पहल कर रहा है तो मैं कहूंगा कि इसका नाम सिर्फ 'अनुदान' से ही जोड़कर क्यों रखा जाए? इसका नाम इसके शानदार काम के अनुसार रखा जाना चाहिए। मेडिकल की किताबों के हिंदी अनुवाद का काम मप्र की शिवराज चौहान सरकार ने शुरु कर दिया है। यदि सभी प्रांतों की सरकारें और विश्वविद्यालय भिड़ जाएं तो कोई विषय ऐसा छूटेगा नहीं कि जिसकी किताबें भारतीय भाषाओं में उपलब्ध न होंगी। बल्कि इसका एक शुभ परिणाम यह होगा कि हर विषय की मौलिक पुस्तकें स्वभाषा में भी उपलब्ध होने लगेंगी। कोई आश्चर्य नहीं कि वे अंग्रेजी की किताबों से बेहतर और सरल हों। यदि देश में पढ़ाई का माध्यम स्वभाषाएं होंगी तो गरीबों, ग्रामीणों, पिछड़ों, आदिवासियों के बच्चों को भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे। भारत सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक राष्ट्र बन सकेगा।

कार्टून

उपनिवेशवादी विरोधाभासों से जूझने का वक्त

लेखक- विवेक काटजू

विवेक काटजू

कट्टर उपनिवेशवादी सोच रखने वाला मैकाले भारतीय संस्कृति को दोयम समझता था। रोचक है कि अपने विवरणों में उसने यह भी लिखा है कि ऐसे भी भारतीय हैं, जिन्होंने गहन शिक्षा प्राप्त की है और धारा प्रवाह इंग्लिश बोल लेते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले 25 वर्षों में भारत को गतिशील बनाने और समग्र रूप से आगे ले जाने के लिए देशवासियों से पांच प्रण करने का आह्वान किया। इन पांच प्रण में दूसरा है = 'हमारे पूरे वजूद के किसी भी हिस्से में, यहां तक कि मानस के सबसे गहरे कोने या किसी आदत में, किसी की गुलामी की रत्तीभर भी गुंजाइश न रहे। यदि ऐसा कोई विचार हो भी तो अंकुरित होने से पहले नेस्तनाबूद कर दिया जाए। अब पिछली कई शताब्दियों में रही गुलामी ने हमें बांधकर रखा, हमारे रीति-रिवाज बंधे रहे, हमारे अंदर विकृत विचार पैदा कर दिए। हमें इस किस्म की मानसिकता से आजाद होना है, चाहे हमारे भीतर हो या फिर आसपास'। मोदी जी के कहे में, इस मूल धारणा पर कोई किंतु-परंतु नहीं हो सकता कि भारतीयों को अन्य लोगों की नकल करने की बजाय अपनी सभ्यता और सांस्कृतिक रिवायतों पर गर्व होना चाहिए। इस दूसरे प्रण को मूर्त रूप में उतारने के लिए मोदीजी ने कुछ उपाय भी सुझाए हैं, जिनका सार कुछ यूं है : 'किसी भी परिस्थिति में, हमें औरों जैसा दिखने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए। हमें अपने मानक खुद तय करने होंगे। भारतीय प्रतिभा किसी विदेशी भाषा की जंज़ीरों में न बंधने पाए। भारतीयों को अपनी भाषा पर गर्व हो, भारतीय अपनी क्षमता पर निर्भर रहें और उपनिवेशवाद युग वाली मानसिकता तज दें। भारतीयों को अपनी विरासत पर गर्व हो'। पुनः देखा जाए तो, भले ही इन कुछ नुस्खों में और अधिक स्पष्टता की जरूरत है तथापि सैद्धांतिक रूप से यह कोई गैर-अपवाद नहीं है। उदाहरणार्थ, जब यह कहा जाता है कि हमें औरों जैसा दिखने का यत्न नहीं करना चाहिए तो इसका क्या अर्थ है? विदेशी, खासकर गोरे, उनकी शारीरिक बनावट के मानकों को हम अपने लिए आदर्श की तरह न लें, तो यह बात ठीक है, विशेषकर उनकी त्वचा का रंग। हमारी अपनी रिवायतों पर जोर देना चाहिए, मिसाल के लिए, सामाजिक तहजीब का पालन, यह सुझाव भी एकदम सही है। पर, इतना कहने के बाद, क्या प्रधानमंत्री की सलाह परिधान पर भी लागू होती है? रिवायतें और वेश-भूषा को लेकर बने नियम क्रमिक विकास से संबंधित होते हैं। भारत की कुछ वर्तमान परिधान रिवायतों में हमें साफ तौर पर स्वदेशी उत्पति दिखाई देती है। हां, हो सकता है कि कुछ का उद्गम पश्चिमी देशों में हो परंतु समय के साथ वह परिधान भारतीयों ने अपना लिया। इस चलन की शुरुआत शायद औपनिवेशिक काल में हुई हो, किंतु पिछले 75 वर्षों में भी यह जारी है। कदाचित, प्रधानमंत्री भविष्य में इस विषय में अपनी सोच जाहिर करें। यह महत्वपूर्ण है उनके कुछ मंत्रियों के लिए, जो कई अवसरों पर लाऊंज सूट पहने और फैशनेबल टाई बांधे दिखाई देते हैं, खासकर जब विदेशों में हों। और इस संदर्भ में, गौरतलब है कि अंबेडकर के बुतों में अक्सर उन्हें सूट-टाई पहने और हाथ में संविधान की प्रति थामे दिखाया गया है। वे उन महान भारतीयों में एक थे जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी उस समाज के उत्थान और सशक्तीकरण करने में लगाई जिसने हजारों सालों तक बहुत सहा है। ज्यादा गहराई में उतरें तो पता चलता है, उपनिवेशवादी शासकों द्वारा भारतीयों की वेशभूषा को पश्चिमी लोगों जैसी बनाने का यत्न निम्न दर्जा प्रतिकृति बनकर रह गया। वर्ष 1835 में मैकाले का वह कुख्यात उद्धरण, जिसमें वह अरबी और संस्कृत माध्यम में शिक्षा देने वाले संस्थानों के वास्ते ईस्ट इंडिया कंपनी की तत्कालीन सहायता नीतियों में बदलाव लाना चाहता था और इनके लिए रखे धन को अंग्रेजी माध्यम के शिक्षा संस्थानों की ओर मोड़ने की सलाह देता था। कट्टर उपनिवेशवादी सोच रखने वाला मैकाले भारतीय संस्कृति को दोयम समझता था। रोचक है कि अपने विवरणों में उसने यह भी लिखा है कि ऐसे भी भारतीय हैं, जिन्होंने गहन शिक्षा प्राप्त की है और धारा प्रवाह इंग्लिश बोल लेते हैं। वह इस वर्ग को विस्तार देना चाहता था और लिखा : 'हमें फिलहाल वह वर्ग बनाने के लिए हरचंद कोशिशें करनी होंगी जो हमारे और उन करोड़ों लोगों के बीच दुभाषिए का काम करे, जिनपर हमने शासन करना है, ऐसा वर्ग जिसका खून और रंग भले ही भारतीय हो लेकिन पंसद, सोच, नैतिकता एवं बुद्धिमत्ता अंग्रेजों जैसी हो'। क्या मैकाले वास्तव में अपना यह उद्देश्य पा सका? वास्तव में, यहां गौरतलब है कि जरूरी नहीं जिन्होंने अंग्रेजी का ज्ञान पाया, उन सबने अपनी भारतीयता गंवाई हो, गोकि उनकी जीवनशैली की कुछ पसंद-नापसंदों पर अंग्रेजों की छाप जरूर पड़ी। सच्चाई तो यह है कि इसी वर्ग के कुछ व्यक्ति कट्टर राष्ट्रवादी बने और भारत के राजनीतिक पुनरुत्थान में योगदान दिया, वे भारत की ऐतिहासिक विरासत की खोई आभा फिर से खोजने में मददगार रहे, उन्होंने भारतीय समाज को समानता और सामाजिक न्याय के नजरिए से बदलना चाहा। यह विचार रखना ठीक नहीं कि यह वर्ग, जैसे-जैसे बढ़ता गया, कुछ भी हो मूल भारतीयों जैसा नहीं था, क्योंकि इसने कभी अपनी भारतीय जड़ें नहीं खोईं। मोदी उस वक्त ठीक हैं जब कहते हैं कि भारतीयों को अपनी तमाम भाषाओं पर गर्व होना चाहिए। इन सभी की विरासत बहुत समृद्ध है और आज भी है, और ये भारतीयों को स्वयं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम हैं। मोदी जी तब भी सही हैं जब कहते हैं कि भारतीयों के अपने मानक होने चाहिए। जैसा कि उन्होंने कहा = 'भाइयो, कब तक हम अपनी योग्यता का प्रमाणपत्र शेष दुनिया से लेते रहेंगे? कब तक हम दूसरों द्वारा दिए प्रमाणपत्रों पर जीते रहें? क्या हम खुद के मानक नहीं तय कर सकते?' हमें करना होगा, किंतु तथ्य यह है कि मानक विकसित मुल्क तय करते हैं और हम उनका अनुपालन। यह सच्चाई ज्ञान के क्षेत्र में खासतौर पर स्पष्ट दिखाई देती है, इसमें भी विज्ञान एवं तकनीक के विषयों में। यहां पर हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए = विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भारत की कारगुजारी वास्तव में क्या है? बेशक बहुत से भारतीयों ने इन क्षेत्रों में नाम कमाया है, किंतु अधिकांश ने भारत में रहते हुए नहीं। हमें तेजी से आगे बढ़ना होगा और उन तमाम महिमाओं को याद करते रहना कि कभी हमारे पूर्वजों ने भी गणित, विज्ञान और चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की थीं, यह गर्वोक्ति हमारे लिए क्षणिक प्रेरणास्पद हो सकती है, लेकिन इससे परे, इस राह पर आगे बढ़ने में मददगार नहीं। हमें नूतन ज्ञान पाना होगा, स्रोत कुछ भी हो, भारत के भीतर इस पर और आगे काम हो। क्या इस किस्म की राह को दासता-मानसिकता का बचा-खुचा अंश ठहराया जाएगा? अगले 25 सालों में, भारतीयों को हमारे कुछ संस्थानों में आज भी जारी उपनिवेशवादी विरोधाभासी रीतियों से जूझना होगा। हम सबको अपनी सेना की व्यावसायिकता और शौर्य पर गर्व है। उन्होंने बारम्बार अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन किया है। लेकिन क्या हम, एक ही समय में, मंगल पांडे की स्मृति को सम्मान देना और ठीक इसी समय कुछ सैन्य इकाइयों में ब्रिटिश रिवायतें कायम रहने पर संतोष पा सकते हैं? आखिरकार भारतीय गणतंत्र की महान सेना ब्रिटिश-भारतवर्ष वाली से काफी हद तक अलहदा है।

लेखक भारत सरकार के पूर्व विदेश सचिव हैं।

धर्म

निर्विकल्प

आचार्य रजनीश ओशो

बहुत सरल है निर्विकल्प दशा को उपलब्ध करना। अत्यंत सरल, उससे सरल कोई बात ही नहीं है, लेकिन ये जो तीन बातें मैंने पहली कही, ये बड़ी कठिन हैं। और इन तीन को जो नहीं कर पाता वह उस अत्यंत सरल बात को भी नहीं कर पाता। वह चौथी सीढ़ी है। इन तीन को पार करके ही उसे पार किया जा सकता है। वह तो बहुत सरल है। कठिनाई है इन तीन बातों की- विश्वास को, अनुकरण को, आदर्श को त्यागने में बड़ी कठिन, बड़ा आर्डुअस, बड़ा श्रम है, लेकिन चौथी बात बहुत सरल है। जो इन तीन बातों को कर ले, चौथी बात करनी ही नहीं पड़ती, बड़ी सरलता से हो जाती है। उस सूत्र के संबंध में अंत में थोड़ी सी बात आपको समझाऊं, लेकिन इन तीन को किए बिना वह नहीं हो सकेगा। जैसे कोई हमसे पूछे कि हम फूल कैसे पैदा करें? मैं कहूंगा, फूल पैदा करना बड़ी सरल बात है। फूल पैदा करने में कुछ करना ही नहीं पड़ता, लेकिन बीज लगाने में बड़ी मदद करनी पड़ती है। पानी सींचने में, खाद डालने में बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। पौधे की सम्हाल करने में, बागुड़ लगाने में बहुत श्रम उठाना पड़ता है। फिर जब सब संभल जाती है बात, बीज अंकुर बन जाता, खाद मिल जाती, पानी मिल जाता, चारों तरफ सुरक्षा हो जाती है पौधे की, तो फूल तो अपने आप आ जाते हैं, लेकिन आप कहें कि हमको तो सिर्फ फूल लाना है, तब मामला बहुत कठिन हो जाता है। आप कहें कि यह तो सब ठीक है, विश्वास हमें करने दो, आदर्श हमें मानने दो, अनुकरण हमें करने दो, जैन, हिंदू, मुसलमान हमें बना रहने दो, बाकी चित्त शांत करने का, शून्य करने का कोई रास्ता हो तो बता दें। तो आप ऐसी बात कर रहे हैं कि पौधा तो हम लगाएंगे नहीं, बीज हम डालेंगे नहीं, पानी हम सींचेंगे नहीं, यह तो छोड़ो, ये बातें छोड़ दो, हमें दो इतना बता दो कि फूल कैसे आते हैं? फिर फूल नहीं आते। चित्त की निर्विकल्प दशा, शून्य दशा, ध्यान दशा बहुत सरल है, लेकिन सीढ़ियां जो उस तक पहुंचाती हैं वे बड़ी कठिन मालूम होती हैं। और वे भी कठिन इसलिए नहीं हैं कि वे कठिन हैं, आप में साहस नहीं है जरा सा भी, इसलिए वे कठिन हो गई हैं। साहस व्यक्ति को युवा बनाता है। छोड़ने का हममें जरा भी साहस नहीं है। इसलिए हम अटके खड़े रह जाते हैं। और व्यर्थ बातें भी छोड़ने का साहस नहीं है, तब तो बहुत कठिनाई हो जाती है। शून्यता पा लेनी बहुत सरल है, साहस चाहिए।

विचार मंथन

पश्चिमी यूपी पर नजर

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

यूपी भाजपा अध्यक्ष की रेस में चल रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएलसी विद्यासागर सोनकर, केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा और बीएल वर्मा आदि को पछाड़कर भूपेंद्र सिंह चौधरी की ताजपोशी हो गई है। दो दिन पहले जब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का ट्वीट %संगठन सरकार से बड़ा आया तो मान लिया गया कि उनका अध्यक्ष बनना तय हो गया है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछड़ा, दलित या ब्राह्मण की जगह जाट नेता भूपेंद्र सिंह चौधरी पर मुहर लगाना भाजपा का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी की पहचान पार्टी के अंदर निचले स्तर तक संगठन को सक्रिय रखते हुए सफलता की तरफ बढ़ने वाले नेता की है, जिसने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की रेस में आगे खड़ा कर दिया। पश्चिम क्षेत्र का अध्यक्ष रहते हुए उनके रणनीतिक कौशल से 2014 के आम चुनाव में भाजपा को पहली बार पश्चिमी यूपी की सभी सीटों पर जीत हासिल हुई थी। माना जा रहा है कि 2024 के लिए भाजपा की रणनीतिक जरूरतों के लिहाज से भूपेंद्र चौधरी सबसे उपयुक्त साबित हो सकते हैं। भूपेंद्र चौधरी के राजनीतिक जीवन का लंबा समय पार्टी की जिले से लेकर क्षेत्रीय अध्यक्ष के पद तक की जिम्मेदारियों में बीता है। वह संघ के करीबी माने जाते हैं। भाजपा में भूपेंद्र चौधरी पश्चिमी यूपी में जाट राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा हैं। जाट मतदाताओं को साधने और उनके साथ ही अन्य मतदाताओं को साथ जोड़कर चलने के कारण भी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें बड़ा दावेदार माना जा रहा है। भाजपा के सामने यूपी में विपक्ष का बड़ा केंद्र इस समय जाटलैंड यानी पश्चिमी यूपी ही है। इस क्षेत्र में प्रमुख विपक्षी दल सपा और रालोद का मजबूत गठजोड़ है। यहां पर विपक्ष की ताकत को कमतर करने में चौधरी अहम भूमिका निभा सकते हैं। चौधरी 2012 विधानसभा चुनाव, 2014 आम चुनाव तथा 2017 विधानसभा चुनाव में भाजपा पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष रहे थे। इसके बाद से प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से लगातार दूसरी बार मंत्री हैं। 2019 लोकसभा और 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा को पश्चिमी यूपी में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई थी। लोकसभा चुनाव में इस क्षेत्र से भाजपा सात सीटें हार गई थी। 2024 आम चुनाव में भाजपा 2019 की कमियों को सुधारने की कोशिश में है। विधानसभा चुनाव में उन्हें सहारनपुर मंडल में लगाया गया था इस क्षेत्र में किसानों का विरोध पार्टी को झेलना पड़ रहा था। जिसे बहुत हद तक कम करने में भूपेंद्र चौधरी को सफलता मिली थी। भूपेंद्र चौधरी को पार्टी ने अहम जिम्मेदारी देकर पश्चिमी यूपी में जाट मतदाताओं खासकर रालोद के वोट बैंक में सेंध लगाने के साथ भाजपा की पैठ बनाने की बड़ी रणनीति मानी जा रही है। इसे सपा और रालोद के गठजोड़ को कमजोर करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। विपक्ष द्वारा बार-बार पश्चिम से खड़े किए जा रहे किसान आंदोलन को भी कमजोर करने में मदद मिलेगी। भाजपा पश्चिमी यूपी में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए सारे तरीके अपना रही है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को पश्चिमी यूपी नाराजगी के चलते नुकसान झेलना पड़ा था। भूपेंद्र चौधरी को प्रदेश की कमान सौंप कर जाटों के बीच अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहती है। स्वतंत्र देव ने जुलाई में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद से प्रदेश अध्यक्ष की तलाश की जा रही थी। भाजपा किसी ऐसे मजबूत चेहरे की तलाश में थी जो संगठन और सरकार दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो। आखिरकार वो तलाश भूपेंद्र सिंह चौधरी पर जाकर खत्म हुई।

गुलाम 'कांग्रेस' से आज़ाद

संकल्पशक्ति कैसे जागृत हो?

लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल

कांग्रेस के साथ अजीब विडंबना है। एक तरफ राहुल गांधी 'भारत जोड़ो अभियान' चला रहे हैं दूसरी तरफ अपने घर यानी पार्टी को बिखरने से खुद नहीं बचा पा रहे हैं। फिर इस तरह की राजनीति का क्या मतलब निकलता है।कांग्रेस को जितनी उठने की कोशिश की जा रही है वह दिन-ब-दिन उतनी कमजोर होती जा रही है। पार्टी स्वयं में अपना अर्थ खोती दिखती है। गुलाम नबी आजाद और दूसरे राजनेताओं का कांग्रेस के साथ न रहना साफ-साफ बताता है कि पार्टी में सामंजस्य की स्थित नहीं है। स्थिति यह भी इशारा करती है कि पार्टी में सोनिया गांधी की नहीं चल रही है। राहुल गांधी तानाशाह जैसे फैसले ले रहे हैं ? राहुल गांधी एक तरफ खुद पार्टी की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते दूसरी तरफ पर्दे के पीछे से पार्टी चलाना चाहते हैं। गुलाम नबी आजाद जैसे अनुभवी राजनेता का पार्टी छोड़ना कांग्रेस के लिए शुभ संकेत नहीं है। कांग्रेस का जहाज डूब रहा है इसका मलाल %गांधी परिवार% को भले न हो, लेकिन देश यह सब देख रहा है। लेकिन कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आंखों पर पट्टी बांध रखा है। गुलाम नबी आजाद कांग्रेस की टॉप लीडरशिप से आते हैं। ऐसा राजनेता जो पार्टी के लिए अपनी पूरी उम्र खपा दिया और सियासी कैरियर के अंतिम पड़ाव में उसे बेआबरू होकर पार्टी को अलविदा कहना पड़ा। कांग्रेस ऐसे विषय पर भाजपा बनना चाहती है। लेकिन वह न भाजपा बन पा रही न कांग्रेस। कांग्रेस को छोड़ने का गुलाम नबी को मलाल भी है। कांग्रेस की नीतियों से नाराज होकर पार्टी में जी -23 के लोग लामबंद हो गए तब भी नाराज राजनेताओं को पार्टी मना नहीं पायी। गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, जितीन प्रसाद जैसे अनगिनत दिग्गज पार्टी से किनारा करते गए। कांग्रेस की कमान जब तक सोनिया गांधी के हाथों में थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे। उस दौरान बुरे आर्थिक हालात में भी कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया था। जिसका उल्लेख आज़ाद ने अपने त्यागपत्र में भी किया है। उस दौर में देश की अर्थव्यवस्था की हालत बेहद नाजुक थीं लेकिन आर्थिक सुधारों बेहद मजबूती मिली।सोनिया गांधी के त्याग को लेकर देश में चर्चाएं थीं। उस दौरान कांग्रेस में जी-23 जैसी कोई बात नहीं थी। लेकिन पार्टी की कमान राहुल गांधी के हाथों में आते ही अनुभवी राजनेताओं को हाशिए पर रखा जाने लगा। नई सोच के युवाओं को आगे लाने की कोशिश में कांग्रेस डुबती चली गयी। निश्चित रूप से इन सारी विफलताओं के पीछे कहीं न कहीं राहुल गांधी जिम्मेदार हैं। आप घर नहीं संभाल पा रहे हैं फिर देश का विश्वास कैसे जीत पाएंगे। भाजपा का विकल्प कांग्रेस आज भी है, लेकिन इस हालात में जनता उस पर कैसे भरोसा करे। गुलाम नबी आज़ाद कांग्रेस से आजाद हो गए। फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस से आज़ाद होने का उनका फैसला कितना उचित है। लेकिन पार्टी के पास जम्मू कश्मीर से बड़ा चेहरा गायब हो गया। कांग्रेस गुलाम नबी को राज्यसभा न भेजकर बड़ी गलती की। सदन में आज़ाद की मौजूदगी में कांग्रेस कहीं न कहीं से मजबूत बनती। कम से कम बंगाल के अधीर रंजन चौधरी से तो लाख गुने आजाद भले थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर गलत बयानी देकर कांग्रेस की जो दुर्गति उन्होंने करायी उससे तो वह बच जाती। राहुल गांधी के फैसलों से गुलाम नबी आजाद जैसे कई राजनेता नाराज चल रहे थे। इसका दर्द उनकी पांच पन्नों की चिट्ठी कहती है, जिसे उन्होंने सोनिया गांधी को लिखा है। उन्होंने साफ-साफ लिखा है कि कांग्रेस की दुर्गति के लिए राहुल गांधी जिम्मेदार हैं। कांग्रेस को राहुल गांधी और उनकी चाटुकार मंडली चला रहीं हैं। जिनके पास न कोई अनुभव है और न ही राजनीति का ज्ञान। कांग्रेस छोड़ने वाले राजनेताओं में अभी तक किसी ने राहुल गांधी पर सीधे इस तरह का हमला नहीं किया था। आजाद ने अपने पत्र में कई गंभीर मुद्दे और अहम सवाल भी उठाएं हैं। इस पर कांग्रेस को गंभीर चिंतन करना चाहिए, लेकिन लगता है कि गांधी परिवार अपने वफादारों से घिरा है। उसे जितनी चिंता अपने वफादारों की है उतनी कांग्रेस और उसके भविष्य की नहीं है।

जिसका मूल कारण है कि पार्टी बिखर रही है। संगठन में भी अनुभवी नेताओं को दरकिनार किया गया है।

गूगल ने प्ले स्टोर से हटाए 2000 लोन ऐप

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने इस वर्ष जनवरी से अब तक भारत के प्ले स्टोर से कर्ज की पेशकश करने वाली 2,000 से अधिक ऐप हटा दिया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शर्तों का उल्लंघन, जानकारी को गलत तरीके से पेश करने और संदिग्ध ऑफलाइन व्यवहार के लिए इन ऐप के खिलाफ कार्रवाई की गई है। टेक्नोलॉजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी आने वाले हफ्तों में इस क्षेत्र में नीतियों को कड़ा करने की भी कोशिश कर रही है। वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी उन सभी क्षेत्रों में रेगुलेशंस का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है जिनमें वह संचालन करती है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने वाले ऑनलाइन नुकसान को रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास के सवाल पर कहा कि गूगल की प्राथमिकता और इसके मूल मूल्य हमेशा यूजर सेफ्टी के आसपास रहे हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में रही तेजी, शिबा इनु में बड़ा उछाल

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में शुक्रवार को बढ़त देखी गई है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 0.42 फीसदी बढ़त के साथ 1.04 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। बिटकॉइन और ईथेरियम में हल्की बढ़ोतरी हुई है, जबकि शिबा इनु में तेज उछाल देखने को मिला है। बिटकॉइन 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 21,559.84 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 7 दिनों में यह कॉइन 5.42 फीसदी गिरा है। दूसरे सबसे बड़े कॉइन ईथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 0.59 प्रतिशत बढ़कर 1,684.58 डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले 7 दिनों में तो ईथर में 7.41 फीसदी की गिरावट आई है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बिटकॉइन का प्रभुत्व 39.6 प्रतिशत है तो ईथेरियम का 19.8 फीसदी है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 412.48 बिलियन डॉलर है जबकि ईथेरियम का बाजार पूंजीकरण 205.9 बिलियन डॉलर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच शुक्रवार को भी कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के भाव की अप-डाउन हो रहे हैं। आज क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से हल्का सा नीचे कारोबार कर रहा है। इस समय कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ही कारोबार कर रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

मोदी सरकार विमानन क्षेत्र के नियामकों में मानव संसाधन, क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही: सिंधिया

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश का नागर विमानन क्षेत्र आगामी वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। उन्होंने कहा कि अनुमान के साथ सरकार क्षेत्र के नियामकों नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) में मानव संसाधन और क्षमताएं बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। डीजीसीए क्षेत्र में बचाव संबंधी पहलुओं पर ध्यान देता है, जबकि सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारी बीसीएएस के पास है। सिंधिया ने कहा कि दोनों ही नियामक पूरी तरह से स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा, मेरा काम बचाव और सुरक्षा दोनों पहलुओं के लिहाज से जवाबदेही सुनिश्चित करना है। नागर विमानन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विस्तार को देखते हुए यह और आवश्यक हो गया है कि हम डीजीसीए और बीसीएएस में मानव संसाधन और क्षमता दोनों को बढ़ाएं। मैं इस पर काम कर रहा हूं।'' आने वाले वर्षों में भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 40 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं भारतीय विमानन कंपनियों के पास विमानों की संख्या भी बढ़कर 1,200 होने और हवाईअड्डों, हेलीपोर्ट (हेलीकॉप्टर उतरने और उसके उड़ान भरने की जगह) और

वॉटरड्रोम (जल क्षेत्र में विमान उतारने और उड़ान भरने की जगह) की संख्या बढ़कर 220 होने का अनुमान है। एयर इंडिया के विनिवेश से जुड़े एक सवाल के जवाब में सिंधिया ने कहा, ''मुझे भरोसा है कि नए प्रबंधन के तहत एयर इंडिया नई ऊंचाई पर पहुंचेगी।''

जेनसोल इंजीनियरिंग को 153.16 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले

मुंबई। जेनसोल इंजीनियरिंग को अगस्त, 2022 में कुल 58.8 मेगावॉट क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विनिर्माण के लिए 153.16 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। जेनसोल ने कहा कि उस जम्मू-कश्मीर, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और तेलंगाना में लगभग 58.8 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए ग्राहकों से खरीद ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने कहा कि इन परियोजनाओं का कुल ऑर्डर मूल्य 153.16 करोड़ रुपये आंका गया है। इसमें कहा गया है कि जेनसोल द्वारा किए गए सात सौदों में से पांच इंजीनियरिंग, खरीद एवं विनिर्माण (ईपीसी) मॉडल पर आधारित हैं, जबकि दो प्रणाली संतुलन (बीओएस) परियोजनाएं हैं। चार परियोजनाओं का विनिर्माण भूमि पर किया जाना हैं, वहीं अन्य तीन परियोजनाएं ग्राहकों के कारखानों की छतों पर स्थापित की जाएंगी। जेनसोल इंजीनियरिंग की स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी। यह जेनसोल समूह की कंपनियों का एक हिस्सा है, जो ईपीसी और सौर परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराती है।

भारतीय एयरटेल में हिस्सा बढ़ाएंगे मित्तल

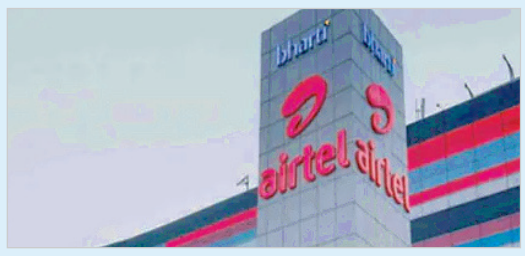

मुंबई। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल सिंगापुर की अपनी साझेदार कंपनी सिंगटेल से एयरटेल की 3.33 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगे। यह सौदा करीब 2.25 अरब डॉलर (12,895 करोड़ रुपए) में होगा। शेयर की खरीद प्रवर्तक इकाई भारती टेलीकॉम के जरिए की जाएगी और 90 दिन के अंदर यह सौदा पूरा होने की उम्मीद है। मित्तल परिवार के पास भारती एयरटेल में अभी 23.88 फीसदी प्रभावी हिस्सेदारी है, जो सौदे के बाद बढ़कर 25.56 फीसदी हो जाएगी। इसी तरह सिंगटेल की हिस्सेदारी मौजूदा 31.38 फीसदी से घटकर 29.7 फीसदी रह जाएगी। मित्तल परिवार शेयर खरीदने के लिए कर्ज से पैसे जुटाएगा। सिंगटेल और भारती समूह दो दशक से भी लंबे समय से साझेदार हैं। सिंगापुर की संचार तकनीक दिग्गज सिंगटेल के लिए पूंजीगत निवेश तथा अगले कुछ वर्षों में विस्तार की योजना के लिए पैसे जुटाने के इरादे से एयरटेल में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच रही है। मित्तल परिवार और सिंगटेल दोनों का भारती टेलीकॉम में निवेश है। भारती टेलीकॉम देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की प्रवर्तक इकाई है, जिसमें मित्तल परिवार के पास 50.56 फीसदी और सिंगटेल के पास 49.44 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावा एयरटेल में सीधे तौर पर मित्तल परिवार के पास 6.04 फीसदी और सिंगटेल के पास 13.8 फीसदी हिस्सेदारी है।

चीनी कंपनी का मुआवजे वाला दांव पड़ा उलटा, रेलवे ने 71 करोड़ रुपए का ठोंका काउंटर-क्लेम

बिजनेस डेस्कः भारतीय रेलवे ने दो साल पहले चीनी रेलवे के सिग्नलिंग और टेलीकॉम आर्म से 471 करोड़ रुपए के करार को रद्द कर दिया था। चीनी फर्म ने अब इस मामले को अंतराष्ट्रीय विवाद बना दिया है और 279 करोड़ रुपए मुआवजे का दावा किया है। चाइना रेलवे सिग्नलिंग एंड कम्युनिकेशन (CRSC) रिसर्च एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट नाम की यह कंपनी है, जिसने हाल ही में सिंगापुर में इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स (ICC) नियमों के तहत इस मामले के उठाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे के तहत आने वाले डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) ने इसे लेकर चीन कंपनी पर पलटवार किया है। DFCCIL ने चीनी फर्म पर 71 करोड़ रुपए का काउंटर-क्लेम कर दिया है। रेलवे के सूत्रों का कहना है कि अब इस मामले के अंतराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल में जाने की संभावना है।

लद्दाख झड़प के बाद रद्द हुआ था करार

बता दें कि लद्दाख में भारतीय सैनिकों के साथ हिंसक झड़प के बाद भारतीय सरकारी कंपनी ने चीन को बड़ा झटका दिया था। DFCCIL ने चीन के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया। सिग्नल लगाने का कॉन्ट्रैक्ट बीजिंग के नेशनल रेलवे रिसर्च एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट ऑफ सिग्नल एंड कॉम्युनिकेशन को 2016 में दिया गया था।

'चार साल में महज 20% का काम हुआ पूरा'

चाइनीज कंपनी को कानपुर-दीन दयाल उपाध्याय सेक्शन पर 417 किलोमीटर की दूरी में सिग्नल लगाने का काम दिया गया था। इस

ठेके की कीमत 471 करोड़ रुपए थी। कॉन्ट्रैक्ट को खत्म करने की घोषणा करते हुए DFC-CIL ने कहा कि कंपनी ने चार साल में महज 20 फीसदी का काम पूरा किया। कंपनी ने यह फैसला ऐसे समय में लिया जब पूर्वी लद्दाख में गलवानी घाटी में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए।

प्योर ईवी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लांच की, कीमत 1,54,999 लाख रुपए

नई दिल्ली। प्योर ईवी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लांच की है। इस ई-बाइक का नाम इटीरिस्ट 350 है। ये कंपनी की मेक-इन-इंडिया पॉलिसी का हिस्सा है। इटीरिस्ट 350 कंपनी की फ्लैगशिप मोटरसाइकिल भी है। बाइक को हैदराबाद के प्लांट में डिजाइन, डेवलप और मैन्युफैक्चर किया गया है। इस इलेक्ट्रिक बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 1,54,999 लाख रुपए है। फिलहाल इस ई-बाइक को मेट्रो सिटी और टियर-1 सिटी में भी बेचा जाएगा। बाद में कंपनी ई-बाइक को देशभर के 100 डीलरशिप पर उपलब्ध कराएगी। कंपनी को उसके ईप्लूटो 7जी इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए जाना जाता है। प्योर इटीरिस्ट 300 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल को अगस्त 2021 की शुरुआत में लांच किया जाना था। हालांकि, इस वक्त देश के अंदर हालात ठीक नहीं थी। प्योर इटीरिस्ट 350 कम्प्लीट इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है। इसकी टॉप स्पीड 85 किमी/घंटा है। वहीं, फुल चार्ज होने के बाद ये 140 किमी की रेंज देती है। इसमें 3.5 प्रतिकिलोवॉट की बैटरी दी है, जो एआईएस 156 के हिसाब से तैयार किया है। ये भारत में मिलने वाली प्रीमियम आईसीई मोटरसाइकिलों के बराबर पावर और टॉर्क जनरेट करेगी है। प्योर ईवी द्वारा बैटरी को इन-हाउस भी तैयार किया गया है। इसे सभी तरह की सड़कों के हिसाब से डिजाइन किया गया है। कंपनी का मानना है कि ये 150सीसी की प्रीमियम आईसीई मोटरसाइकिलों से सीधा मुकाबला करेगी। प्योर ईवी बाइक की बैटरी पर

5 साल या 50,000 किमी की वारंटी दे रही है। कंपनी अपनी स्टाइलिश और पावरफुल बाइक से युवा जनरेशन को टारगेट करना चाहती है। इस ई-बाइक में इकॉनोमिकल और हाई परफॉर्मेंस मोड दिए हैं, जिससे ट्रैवल को अपने हिसाब से बेहतर कर सकते हैं। प्योर इटीरिस्ट 300 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को 3 कलर ऑप्शन रेड, ब्लैक और ब्लू में लांच किया गया है।

सोने के वायदा भाव में गिरावट, चांदी में मिला-जुला रुख

नई दिल्ली। सोने के वायदा भाव में शुक्रवार को गिरावट देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह अक्टूबर में डिलीवरी वाले सोने के भाव में 76 रुपए की गिरावट के साथ 51,626 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 51,702 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। इसी तरह दिसंबर, 2022 में डिलीवरी वाले सोने की कीमत 93 रुपए की टूट के साथ 51,852 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रही थी। इससे पिछले सत्र में सोने का भाव 51,945 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सितंबर 2022 में डिलीवरी वाली चांदी में 91 रुपए की बढ़त के साथ 55,480 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में सितंबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 55,389 रुपए प्रति किलोग्राम पर रहा था। वहीं दिसंबर 2022 में डिलीवरी वाले सोने में 12 रुपए की मामूली टूट के साथ 56,461 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 56,473 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही।

महंगाई से नौकरी बाजार प्रभावित नहीं, नियुक्ति गतिविधियां 29 प्रतिशत बढ़ीं

मुंबई। भारतीय नौकरी बाजार पर महंगाई का कोई असर नहीं पड़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नियुक्ति गतिविधियों में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वैश्विक नौकरी ऑनलाइन मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार मुद्रास्फीति की आशंका के बावजूद ज्यादातर नौकरी चाहने वालों की आजीविका खर्चों पर महंगाई का अधिक प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक 10 में से छह नौकरी चाहने वालों का कहना है कि वे महंगाई से ज्यादा प्रभावित नहीं हैं। साक्षात्कार में 89 प्रतिशत नियोक्ताओं ने कहा कि मुद्रास्फीति का प्रभाव कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को काम पर रखने और भुगतान करने के तरीके को नहीं बदलेगा। रिपोर्ट में पहली तिमाही के लिए नियुक्ति सूचकांक अप्रैल-जून, 2022 के दौरान 1,229 नियोक्ताओं और 1,508 कर्मचारियों के सर्वेक्षण के आधारित है। अप्रैल-जून में नियोक्ताओं की नियुक्ति गतिविधियों में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे पिछली तिमाही में नियुक्ति गतिविधियां 20 प्रतिशत बढ़ी थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही इकोनॉमी के लिहाज से अच्छी जा रही है। महामारी से रिकवरी कर रही अर्थव्यवस्था को साल की शुरुआत में रूस-यूक्रेन युद्ध से तगड़ा झटका लगा। अब धीरे धीरे सुधार दिख रहा है।

जियो-बीपी से हीरो इलेक्ट्रिक ने की साझेदारी

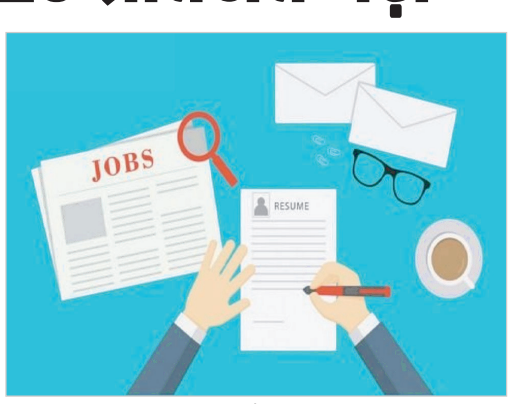

नई दिल्ली। देश की इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक ने जियो-बीपी के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बिजलीचालित दोपहिया वाहनों को चार्ज करने के लिए जियो-बीपी के साथ करार किया। बता दें कि जियो-बीपी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और दिग्गज एनर्जी कंपनी बीपी के बीच ज्वाइंट वेंचर है। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस पार्टनरशिप के तहत हीरो इलेक्ट्रिक के ग्राहकों को जियो-बीपी के व्यापक चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क तक पहुंच मिलेगी। यह सुविधा अन्य वाहनों के लिए भी खुली रहेगी। इसमें कहा गया है कि कंपनियां विद्युतीकरण में अपनी वैश्विक सीख का भारतीय बाजार में इस्तेमाल करेंगी। यह जियो-बीपी पल्स ब्रांड के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग और बैटरी अदला-बदली स्टेशनों का संचालन कर रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और दिग्गज एनर्जी कंपनी बीपी के बीच ज्वाइंट वेंचर जियो-बीपी की ईवी सेवाएं जियो-बीपी पल्स ब्रांड के तहत काम करती है। जियो-

बीपी पल्स ऐप से ग्राहक आसानी से आसपास के स्टेशनों को खोज सकते हैं और अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज कर सकते हैं। गौरतलब है कि जियो-बीपी ने पिछले साल भारत के दो बड़े ईवी चार्जिंग हब का निर्माण करते हुए उसे लॉन्च भी किया था। जियो-बीपी एक ऐसे चार्जिंग इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है, जिससे ईवी वैल्यू चेन के सभी स्टेकहोल्डर्स को फायदा होगा।

अडाणी समूह ने एनडीटीवी की दलील खारिज की

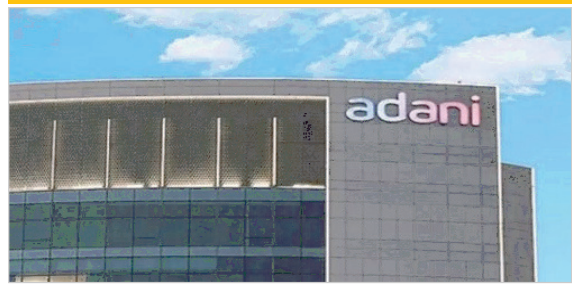

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने शुक्रवार को एनडीटीवी की इस दलील को खारिज किया कि उसकी प्रवर्तक इकाई आरआरपीआर लिमिटेड में हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी जरूरी है। अडाणी समूह ने कहा कि प्रवर्तक इकाई नियामक के उस आदेश का हिस्सा नहीं है जिसमें प्रणय रॉय और राधिका रॉय के प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर रोक लगाई गई थी। अडाणी ने शेयर बाजार को बताया था कि अडाणी समूह की फर्म विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) के लिए एनडीटीवी की प्रवर्तक इकाई आरआरपीआर लिमिटेड में हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी जरूरी है। वीसीपीएल ने आरआरपीआर की इस दलील को बेबुनियाद कानूनी तौर पर खरा नहीं उतरने वाली और बेकार बताया और कहा कि होल्डिंग कंपनी को वॉरंट एक्सरसाइज नोटिस के अनुसार तुरंत अपना दायित्व पूरा करना चाहिए और इक्विटी शेयर आवंटित करने चाहिए। अडाणी ने शेयर बाजारों को भेजी जानकारी में कहा कि 23 अगस्त 2022 के वॉरंट एक्सरसाइज नोटिस पर वीसीपीएल को आरआरपीआर की ओर से जवाब प्राप्त हुआ है। आरआरपीआर सेबी के 27 नवंबर 2020 को जारी आदेश में पक्षकार नहीं है। इसलिए आरआरपीआर ने सेबी की ओर से लगाई गई जिस पाबंदी का उल्लेख किया है वह आरआरपीआर पर लागू नहीं होती है।

अडाणी समूह की एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स के लिए 31,000 करोड़ की खुली पेशकश

नई दिल्ली। अडाणी समूह स्विट्जरलैंड के होल्सिम समूह की दो भारतीय कंपनियों अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी में 26-26 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 31,000 करोड़ रुपए की खुली पेशकश लेकर आया है। अडाणी समूह ने मई में होल्सिम के भारतीय कारोबार का 10.5 अरब डॉलर के सौदे में अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इस खुली पेशकश की पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी। अगर इस पेशकश को पूरा अभिदान मिल जाता है तो यह 31,000 करोड़ रुपए से अधिक की हो सकती है। अडाणी समूह से जुड़ी इकाई मॉरिशस स्थित एंडेवर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट की तरफ से रखी जाने वाली खुली पेशकश के लिए अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी ने अलग-अलग नियामक जानकारी में अपने पेशकश पत्र दिए थे। खुली पेशकश 26 अगस्त से शुरू हुई है और इसका समापन 9 सितंबर को होगा। समूह ने एंडेवर ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट के जरिए मई में अंबुजा सीमेंट्स के लिए 385 रुपए प्रति शेयर और एसीसी लिमिटेड के लिए 2,300 रुपए प्रति शेयर की खुली पेशकश की थी। अंबुजा सीमेंट्स के लिए समूह ने 51.63 करोड़ इक्विटी शेयर या विस्तारित शेयर पूंजी की 26 फीसदी हिस्सेदारी के 19,879.57 करोड़ रुपए में अधिग्रहण के लिए सार्वजनिक शेयर धारकों को खुली पेशकश दी है। वहीं एसीसी लिमिटेड के लिए 4.89 करोड़ शेयर हिस्सेदारी के 11,259.97 करोड़ रुपए में अधिग्रहण की खुली पेशकश दी गई है।

Sports

स्मृति मंधाना के अर्धशतक से सदर्न ब्रेव की द हंड्रेड में बड़ी जीत

साउथम्पटन : भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार अर्धशतक की मदद से सदर्न ब्रेव ने ट्रेंट रॉकेट्स को 10 विकेट से हराकर 'द हंड्रेड' क्रिकेट टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में अपनी जगह सुरक्षित की। मंधाना ने 31 गेंदों पर 57 रन बनाए जिसमें नौ चौके और दो छक्के भी शामिल हैं। इससे पहले लॉरेन बेल ने 10 रन देकर चार विकेट लिए और रॉकेटस की टीम को आठ विकेट पर 88 रन ही बनाने दिए। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना और इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी वायट ने अपनी टीम को 44 गेंद शेष रहते ही जीत दिला दी। वायट ने 25 गेंदों पर 36 रन बनाए। मंधाना ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया। उन्होंने पहली गेंद पर ही चौका जड़ा और केवल 30 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने विजयी छक्का भी लगाया।

विश्व चैंपियनशिप : सात्विक-चिराग ने पुरुष युगल में भारत का पहला पदक पक्का किया

टोक्यो । (एजेंसी)

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल में ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी की विश्व में दूसरे नंबर की जापानी जोड़ी को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। इस माह के शुरू में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली विश्व में सातवें नंबर की भारतीय जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करके खिताब की प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन जापानी जोड़ी को एक घंटे 15 मिनट तक चले मैच में 24-22, 15-21, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और इसके साथ ही पहली बार विश्व चैंपियनशिप में अपने लिए पदक सुनिश्चित किया। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में युगल में दूसरा पदक है। इससे पहले ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने 2011 में महिला युगल में पदक जीता था। इससे पहले एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला का विजय अभियान तीन बार के स्वर्ण पदक विजेता मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी से पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। गैरवरीय भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की तीसरी वरीय जोड़ी से 30 मिनट से भी कम समय में 8-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले दूसरे दौर में डेनमार्क के आठवीं वरीयता प्राप्त किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन को हराया था।

जम्मू तवी गोल्फ टूर्नामेंट में देश भर के 126 गोल्फर लेंगे हिस्सा

जम्मू । (एजेंसी)

जम्मू के तवी नदी के तट पर मैदानी इलाकों में स्थित अंतरराष्ट्रीय स्तर का 18-होल जम्मू तवी गोल्फ कोर्स सात सितंबर से शुरू होने वाले 5 दिवसीय पेशेवर गोल्फ टूर्नामेंट (पीजीटीआई) में पूरे देश के 126 गोल्फर हिस्सा लेंगे। जम्मू तवी गोल्फ कोर्स (जेटीजीसी) के सचिव मानव गुप्ता ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से पहले की तैयारियों और सुविधाओं के बारे में बताया- यह कार्यक्रम पेशेवर तथा उभरते गोल्फरों के लिए गेम चेंजर होने जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल एवं जम्मू तवी गोल्फ कोर्स के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने हाल ही में जम्मू तवी गोल्फ अकादमी के उद्घाटन के अवसर पर जम्मू में पीजीटीआई स्तर के टूर्नामेंट की मेजबानी की घोषणा की। गुप्ता ने बताया- जम्मू तवी गोल्फ कोर्स 1400 कनाल में फैले अंतरराष्ट्रीय मानक का 18-होल कोर्स है और पीजीटीआई (भारत में पेशेवर गोल्फ के लिए नियंत्रक निकाय) टीम ने निरीक्षण के बाद आयोजन स्थल को फिट घोषित किया और आयोजन के लिए हरी झंडी दिखा दी। उन्होंने कहा- अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना जेटीजीसी के लिए किसी विशेषाधिकार से कम नहीं है। सात सितंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट का समापन 11 सितंबर को प्रो एम इवेंट के साथ होगा। उन्होंने कहा कि देश भर के 126 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गोल्फर इसमें भाग लेंगे। उन्होंने कहा- टूर्नामेंट न केवल स्थानीय और नवोदित गोल्फरों की क्षमता का दोहन करेगा, बल्कि उन्हें पर्यटन क्षेत्र में उछाल लाने के साथ-साथ कौशल सीखने का अवसर भी प्रदान करेगा। गुप्ता ने कहा- हमारे विशेषज्ञों ने पीजीटीआई अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से पाठ्यक्रम के रखरखाव के हिस्से का ख्याल रखा और हमें यकीन है कि यह एक बड़ी सफलता होगी।

उन्होंने कहा- यह आयोजन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए गोल्फिंग गंतव्य के मामले में जम्मू को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा। सचिव ने जनता विशेषकर गोल्फ प्रेमियों से इस आयोजन का हिस्सा बनने और अच्छे दर्शक बनने की भी अपील की।

प्रो कबड्डी लीग का नया सत्र सात अक्टूबर से, दर्शकों को भी होगी अनुमति

मुंबई : (एजेंसी)

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के नौवें सत्र की शुरुआत सात अक्टूबर को होगी जिसमें दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति दी जाएगी। आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा की। इस प्रतियोगिता के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि लीग चरण के मैच बेंगलुरू, पुणे और हैदराबाद में खेले जाएंगे। लीग चरण दिसंबर तक चलेगा। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले सत्र में दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं दी गई थी। आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी पांच और छह अगस्त को की गई थी।

मंधाना , शैफाली आईसीसी के '100 परसेंट क्रिकेट सुपरस्टार्स' की सूची में शामिल

दुबई । (एजेंसी)

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को अपनी ÷100 परसेंट क्रिकेट सुपरस्टार्स÷ की सूची में शामिल किया है। मंधाना को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आये एक दशक होने जा रहा है। इस दौरान इस बल्लेबाज का प्रदर्शन लगातार निखरता गया है। मंधाना ने अपने प्रदर्शन को स्वयं को एक भरोसेमंद बल्लेबाज साबित किया है। आईसीसी ने 4 और महिला खिलाड़ियों को इस सूची में जोड़ा है। इनमें पाकिस्तान की फातिमा शेख, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर, इंग्लैंड की सोफिया डंकले और आयरलैंड की गैबी लुईस भी शामिल हैं। मंधाना ने 74 एकदिवसीय मैचों में 42.52 की औसत से कुल 2,892 रन बनाए हैं। इनमें पांच शतक और 23 अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 क्रिकेट में उनके नाम 92 मैचों में 2,192 रन हैं जिसमें 16 अर्धशतक शामिल हैं। मंधाना ने इसके अलावा चार टेस्ट मैचों में एक शतक और दो अर्द्धशतक लगाये हैं। बल्लेबाजी में निरंतरता के कारण ही मंधाना साल 2021 के लिए आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर के रूप में नामांकित की गयी थीं जबकि आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में वह 10वें और टी20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर थीं। मंधाना ने इंग्लैंड में द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में भी अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह की कमी पूरी करेंगे ये दो तेज गेंदबाज

दुबई। 27 अगस्त से शुरु हो रहे एशिया कप क्रिकेट में भारतीय टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगी। बुमराह को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट के लिए शामिल नहीं किया है। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए भी टीम प्रबंधन बुमराह को लेकर कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहता है। बुमराह के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम पर शायद ही प्रभाव पड़े क्योंकि उसके पास दो काफी अच्छे तेज गेंदबाज हैं।

अर्शदीप सिंह : अर्शदीप ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। इसी के बाद से ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिल। अर्शदीप ने पिछले महीने ही टी20 में डेब्यू किया था और अब तक उन्होंने 6 टी20 में कुल 20 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका और बेस्टइंडीज के बाद उन्होंने इंग्लैंड दोरे में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। डेथ ओवरों में अपनी सटीक यार्कर के लिए वह जाने जाते हैं। दबाव के बीच भी बेहतर प्रदर्शन करना उनकी खासियत है।

आवेश खान : आवेश आईपीएल में और भारतीय टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करते रहे है। आवेश ने आईपीएल में अब तक 38 मैच खेले है जिनमें कुल 47 विकेट लिए है। इस तेज गेंदबाज ने अपना डेब्यू फरवरी में हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में किया था। उन्होंने तब से 13 टी20 मैच खेले है जिसमें 11 विकेट लिए है। ऐसे में वो बुमराह की की कमी काफी हद तक पूरी कर सकते है।डेथ ओवरों के साथ ही वह नई गेंद से भी अच्छी गेंदबाजी में माहिर हैं।

ग्लैमरगन की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलने वाले तीसरे भारतीय होंगे शुभमन

मुम्बई । अब बल्लेबाज शुभमन गिल भी काऊंटी खेलेंगे। शुभमन ने काउंटी टीम ग्लैमरगन से करार किया है। वह ग्लैमरगन की ओर से काउंटी खेलने वाले तीसरे भारतीय होंगे। इससे पहले भारत की ओर से रवि शास्त्री और सौरव गांगुली ने इस काउंटी की ओर से खेला था। शुभमन ने हाल में वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया था। वेस्टइंडीज में उन्होंने जहां 102.50 के औसत से 205 रन बनाए और तो जिम्बाब्वे के खिलाफ 122.50 के औसत से 245 रन। इस बल्लेबाज ने अब तब 11 टेस्ट मैच भी खेले हैं। जिसमें उन्होंने 30.47 की औसत से 579 रन बनाए हैं। उनका आखिरी मैच जुलाई में बर्मिंघम के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ खेला था जिसमें उन्होंने 17 और 4 रन बनाए थे। उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए 12 प्रथम श्रेणी मैच खेलते हुए 65.33 की औसत से 1176 रन बना चुके हैं। वहीं ग्लैमरगन की टीम इस समय डिविजन टू टेबल में 10 मैचों में 5 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। उनके पास अभी भी चार और मैच बाकी हैं और वे कार्डिफ में 5 सितंबर को वोस्टरशायर के खिलाफ नया सत्र शुरू करेंगे। शुभमन को इसमें अवसर मिलने की संभावनाएं है। अभी चैत्तेश्वर पुजारा और वाशिंगटन सुंदर सहित कई भारतीय खिलाड़ी काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं।

एशिया कप 2022 :

भारत-पाक समेत सभी 6 टीमों की स्क्वायड हुई क्लियर

(एजेंसी)।

एशिया कप 2022 शनिवार को अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका मैच के साथ शुरू हो जाएगा। भारत गत चैम्पियन है ऐसे में सभी की नजरें भारतीय स्टार क्रिकेटरों की परफार्मेंस पर रहेंगी। टूर्नामेंट जीतने के इरादे से छह टीमें यूएई के मैदानों पर जोर आजमाइश करेंगी। हांगकांग के रूप में आखिरी टीम जुड़ने के बाद अब सभी 6 टीमें की स्क्वायड क्लियर हो गई है। आइए जानते हैं किस टीम में कौन-से प्लेयर हैं।

टूर्नामेंट में शामिल होने वाली टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, दीपक हुड्डा, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, अवेश खान।

स्टैंडबाय : श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, दीपक चाहर।

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, फखर जमां, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफितखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, मोहम्मद हसनैन, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिर।

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान), अनामुल हक, मुशफिकुर रहीम, अफिफ हुसैन, मोसादेक हुसैन, महमूदुल्लाह, महेदी हसन, मोहम्मद सैफुद्दीन, हसन महमूद, मुस्तफिजुर रहमान, नसुम अहमद, सब्बीर रहमान, मेहदी हसन मिराज, इबादत हुसैन, परवेज हुसैन एमोन, नुरुल हसन सोहन, तस्कीन अहमद।

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान), दनुष्का गुणथिलका, पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, भानुका राजपक्षे, आशेन बंडारा, धनंजया डी सिल्वा, वनिन्दु हसरंगा, महेश तीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, प्रवीण जयविक्रमा, चमिका करुणारत्ने, दिलशान मधुशनका, मथहीशा पथिराना, नुवानीडु फर्नांडो, दिनेश चांदीमल।

अफगानिस्तान : मोहम्मद नबी (कप्तान), नजीबुल्लाह जदरान (उपकप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह ओमरजई, फरीद अहमद मलिक, फजल हक फारूकी, हशमतुल्लाह शाहिदी, हजरतुल्लाह जजई, इब्राहिम जदरान, करीम जनत, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, नूर अहमद, रहमानुल्ला गुरबाज (विकेटकीपर), राशिद खान, समीउल्लाह शिनवारी और उस्मान गनी।

हांगकांग : निजाकत खान (कप्तान), किंचित शाह, जीशान अली, हारून अरशद, बाबर हयात, आफताब हुसैन, अतीक इकबाल, एजाज खान, एहसान खान, स्कॉट मैककिनी (विकेटकीपर), गजनफर मोहम्मद, यासिम मुर्तजा, धनंजय राव, वाजिद शाह, आयुष शुक्ला, अहान त्रिवेदी, मोहम्मद वहीद। भाषा आनन्द पंत

शाहीन के बिना हमारी गेंदबाजी को कमजोर न समझे भारतीय टीम : कोच सकलैन

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच सकलैन मुश्ताक ने भारतीय टीम को चेतावनी देने के अंदाज में कहा है कि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बिना भी उनकी टीम जीत दर्ज करने में सक्षम है। ऐसे में उसे कमजोर समझने की भूल न करें। सकलैन के अनुसार शाहीन के बिना भी पाक का तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी अच्छा है। उनकी टीम के पास नसीम शाह, हारिस रउफ और मोहम्मद हसनैन जैसे गेंदबाज हैं जिनका सामना करना भारतीय बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ सालों से नसीम, हसनैन और हारिस पाक टीम की योजनाओं और जरूरतों को पूरा करने में सफल रहे हैं। एक मुख्य कोच के रूप में मुझे उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। शाहीन आक्रमण का नेतृत्व करते थे पर ये तीनों भी एक निश्चित दिन या स्थिति में खेल को बदलने की क्षमता रखते हैं। तीन गेंदबाजों की यह तिकड़ी किसी भी टीम की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर सकती है। ये भारतीय बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने नहीं देगी।' हसनैन को चोटिल शाहीन की जगह पर एशिया कप के लिए पाक टीम में शामिल किया गया है। शाहीन को दाएं घुटने में चोट के कारण 4 से 6 सप्ताह तक खेल से दूर रहना होगा।

एंडरसन और ब्रॉड के सामने ढ़ेर हुई दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 151 रनों पर ही आउट कर दिया। इस मैच में एंडरसन और ब्रॉड ने 3-3 विकेट लिए। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। अपना 174वां टेस्ट मैच खेल रहे 40 साल के जेम्स एंडरसन ने 15 ओवर में ही केवल 32 रन देकर तीन खिलाड़ियों को पेवेलियन भेज दिया। इसी के साथ ही उनके विकेटों की संख्या 661 पहुंच गयी। वहीं, स्टुअर्ट ब्रॉड ने 37 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि कप्तान बेन स्टोक्स को 2 विकेट मिले। स्पिनर ओली रॉबिन्सन और जैक लीच को 1-1 विकेट मिला. इंग्लैंड ने इसके बाद खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 28 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बना लिए थे। स्टंप्स के समय जैक क्राउली 17 और जॉनी बेयरस्टो 38 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं आउट होने वाले बल्लेबाज एलेक्स लीस 4, ओली पोप 23 और जो रूट ने 9 रन बनाये। रबाडा, लुंगी एनगिडी और एनरिक नॉर्खिया को 1-1 विकेट मिला। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने मुकाबले के पहले ही दिन चायकाल तक ही अपने सभी विकेट खो दिये। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान डीन एल्गर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। अफ्रीकी टीम के 7 बल्लेबाज 92 रनों पर ही आउट हो गये। सबसे अधिक 36 रन कागिसो रबाडा ने बनाये ,बाकि बल्लेबाज सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये।

राष्ट्रमंडल खेलों का हॉकी फाइनल नहीं खेलना निराशाजनक था : विवेक सागर प्रसाद

नई दिल्ली : (एजेंसी)

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने कहा कि वह घुटने की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में नहीं खेल पाने से काफी निराश थे। भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया से 0-7 से हार मिली थी जिससे उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विवेक ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा- आस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में नहीं खेलने से मैं निराश था। उन्होंने कहा- इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी बात है। अच्छा खेलकर फाइनल में पहुंचना और फिर चोट के कारण फाइनल में नहीं खेल पाना मेरे लिए निराशाजनक था। विवेक ने कहा- मैं फाइनल में अपनी टीम के साथ होना चाहता था। लेकिन खेलों में ऐसा होता है। इसलिये हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। ये विवेक के दूसरे राष्ट्रमंडल खेल थे, 2018 में गोल्ड कोस्ट चरण में वह टीम में सबसे युवा खिलाड़ी थे जो पदक के बिना स्वदेश लौटी थी। उन्होंने कहा- 2018 राष्ट्रमंडल खेल में तब बहु स्पर्धा खेल प्रतियोगिता में मेरा पहला अनुभव था। मैं काफी युवा और काफी रोमांचित था। लेकिन बतौर टीम यह हमारे लिए काफी निराशाजनक था। इस बार हम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध थे लेकिन फिर फाइनल में चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं। पिछले कुछ हफ्तों में आराम करने के बाद विवेक सोमवार से बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण में राष्ट्रीय शिविर में जुड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा- यह मामूली चोट थी। पिछले कुछ हफ्तों में आराम करने के बाद मैं शिविर में टीम के साथियों से जुड़ने और जनवरी में भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले ओडिशा पुरूष हॉकी विश्व कप 2023 के लिये अपनी तैयारियां शुरू करने को लेकर उत्सुक हूं। विवेक ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि जब मैं शिविर से जुड़ूंगा तो टीम का सहयोगी स्टाफ मेरे उबरने की प्रक्रिया को देखेगा और मेरेकार्यभार की योजना बनाएगा।

सेन जोस में फीफा अंडर-20 महिला विश्वकप सेमीफाइनल मैच में जीत के बाद उत्साहित स्पेनिश खिलाड़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / क्म्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / क्म्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

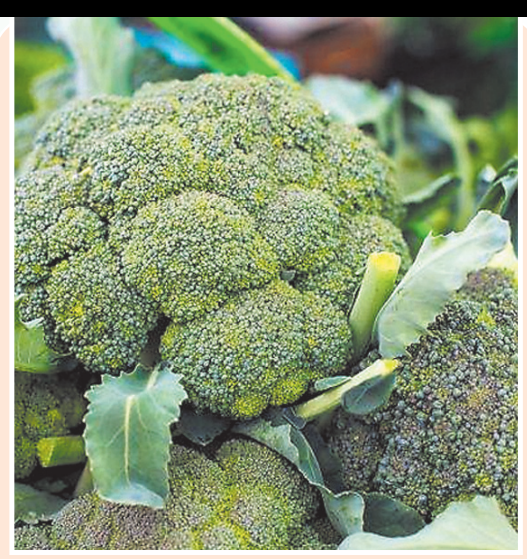

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ़ु और ढ़ुढ़ु, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम , भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए , जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद , 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है।पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है , तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक , तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

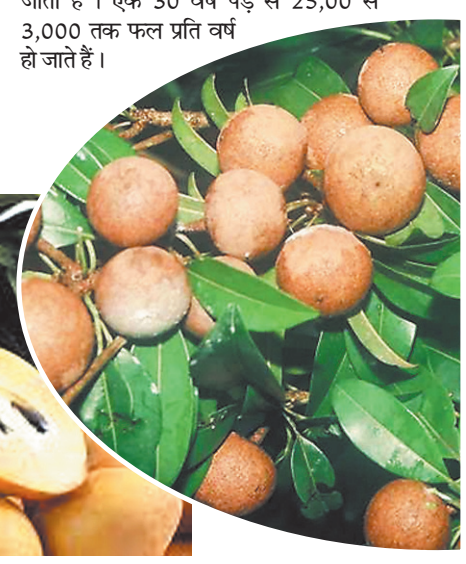

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इराक की राजधानी बगदाद में विस्फोट,ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों को बनाया गया निशाना

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों को निशाना बनाकर शुक्रवार को एक विस्फोट किया गया। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बगदाद में उस स्थान पर विस्फोटक लगाया गया था जहां से ऑस्ट्रेलियाई राजनयिक का काफिला गुजरने वाला था। उन्होंने बताया किइस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया का राजनयिक मिशन प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र और प्रतिद्वंद्वी शिया पार्टियों के ईरान समर्थित गुट के बीच मध्यस्थता करने के प्रयास कर रहा है और इन प्रयासों के बीच यह विस्फोट हुआ है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी इन समूहों के बीच समझौता कराने में असफल रहे हैं। विस्फोट के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई राजनयिकों का काफिला सुरक्षित स्थान पर पहुंचने में सफल रहा।

अमेरिकी पत्रकार अंगद सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट से वापस न्यूयॉर्क भेजा, मां ने फेसबुक पर पोस्ट कर किया दावा

वाशिंगटन। अमेरिकी पत्रकार अंगद सिंह 18 घंटे की न्यूयॉर्क की यात्रा कर जैसे ही भारत पहुंचे तो उनके साथ कुछ ऐसा हो गया जो शायद उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अंगद सिंह के दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्हें वापस न्यूयॉर्क भेज दिया गया। इस बात की जानकारी अंगद सिंह की मां गुरमीत सिंह ने फेसबुक पोस्ट के जरिए दी है। उन्होंने दावा किया कि अंगद भारत एक निजी यात्रा पर आए थे और उन्हें कुछ ही घंटों में वापस न्यूयॉर्क भेज दिया गया। गुरमीत सिंह की मां ने कहा कि उनका बेटा अमेरिकी नागरिक है और अपने परिवार से मिलने भारत आया था। दिल्ली से वह पंजाब आने वाला था लेकिन पहले ही अंगद को वापस अमेरिका रवाना कर दिया गया। अंगद सिंह वाइस न्यूज के लिए एशिया सेंट्रिक डॉक्यूमेंट्री बनाते है। अंगद की मां के मुताबिक, अगंद को वापस न्यूयॉर्क भेजने का कोई भी कारण नहीं बताया। अंगद की मां का कहना है कि उसे उसकी पत्रकारिता के कारण वापस भेजा गया है। अंगद ने भारत से संबंधित तीन कृषि कानून और कोरोना महामारी के ऊपर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। इसके अलावा उन्होंने कोरोना के वेरिएंट डेल्टा की भी कवरेज की थी जिसके लिए उन्हें एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था। अंगद सिंह की मां गुरमीत सिंह ने कहा कि वह अपने देश से बहुत प्यार करता है और वाइस न्यूज के लिए बेहतरीन काम भी कर रहा है। अंगद को न्यूयॉर्क वापस भेजने के पीछे के कारण पर अब तक कोई भी अधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बन रहे हैं चीन और रूस: ताइवान

ताइपे। ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि बीजिंग द्वारा ताइवान के पास बड़े स्तर पर सैन्य अभ्यास करने और यूक्रेन पर मॉस्को के हमले के जरिये चीन और रूस वैश्विक व्यवस्था को बिगाड़ना और खतरे में डालना चाहते हैं। राष्ट्रपति साई इंग वेन ने अमेरिका की सीनेटर मार्शा ब्लैकबर्न के साथ ताइपे में हुई एक बैठक के दौरान यह बात कही। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की इस महीने हुई यात्रा के बाद ब्लैकबर्न की यह दूसरी ताइवान यात्रा है। पेलोसी की इस यात्रा को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए चीन ने ताइवान द्वीप के पास सैन्य अभ्यास किया जिसमें कई मिसाइलें दागी गई और दर्जनों युद्धपोत तथा युद्धक विमानों ने हिस्सा लिया। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और जरूरत पड़ने पर सैन्य बल से उस पर नियंत्रण करने की इच्छा रखता है। वहीं बीजिंग ने रूस के साथ अपना गठजोड़ को भी मजबूत किया है और यूक्रेन पर उसके हमले का मौन समर्थन भी किया है।साई ने कहा, इन घटनाक्रमों से पता चलता है कि किस तरह निरंकुश शासन वाले देश विश्व व्यवस्था के लिए खतरा बन गए हैं। अमेरिका के टेनेसी से रिपब्लिकन पार्टी की सीनेटर ब्लैकबर्न ने दोनों सरकारों के बीच साझा मूल्यों को दोहराया और कहा कि वह ताइवान को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में समर्थन करने के लिए काम करना जारी रखेंगी।

मुंबई 26/11 हमले के वांछित तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने का मामला एक साल से पेंडिंग

वॉशिंगटन । मुंबई में 26/11 हमले के वांछित अपराधी तहव्वुर राणा के भारत को प्रत्यर्पण मामले में कार्रवाई धीमी गति से हो रही है। अमेरिकी संघीय अदालत में पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने से जुड़ा मामला करीब एक साल से लंबित पड़ा है। राणा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के मामले में वांछित है। इन आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोग मारे गए थे और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। भारत ने उसे भगोड़ा घोषित किया है। लॉस एंजिलिस में कैलिफोर्निया की जिला अदालत की न्यायाधीश जैकलीन चुलजियान ने इस मामले पर आखिरी सुनवाई जून 2021 में की थी और इस संबंध में आखिरी बार दस्तावेज 15 जुलाई को दाखिल किए गए थे। अब एक साल से अधिक समय बीत चुका है और अदालत ने राणा को भारत में प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध पर अभी तक फैसला नहीं किया है। तब से अदालत ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी सरकार ने राणा को भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध करते हुए कहा था कि भारत ने राणा के प्रत्यर्पण अनुरोध में प्रत्येक आपराधिक आरोपों को लेकर पर्याप्त सबूत दिए हैं। राणा मुंबई आतंकवादी हमले में कथित भूमिका के चलते वांछित है और भारत ने उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है। राणा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का बचपन का दोस्त है। पाकिस्तानी मूल का 60 वर्षीय अमेरिकी नागरिक हेडली 2008 के मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल था। वह मामले में गवाह बन गया था और वर्तमान में हमले में अपनी भूमिका के लिए अमेरिका में 35 साल जेल की सजा काट रहा है और उसने ही राणा के खिलाफ गवाही दी है। राणा के वकील ने प्रत्यर्पण का विरोध किया है। संघीय अभियोजकों ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के सदस्यों द्वारा किए गए हमलों में छह अमेरिकियों सहित 166 लोग मारे गए थे। इन सदस्यों द्वारा रची साजिश से क्योंकि कई लोगों की मौत हुई और उनका इरादा भी यही था या कम से कम वे इन कृत्यों से होने वाले खतरों से वाकिफ थे यह हत्या के आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। अभियोजकों ने कहा, 'कानून के तहत, इस संगठन के अन्य सदस्य भी हत्या के लिए जिम्मेदार माने जाएंगे, भले ही वे प्रत्यक्ष रूप से मौके पर मौजूद ना हो। इस मामले में यह पहले से ही ज्ञात था कि हमलों से हत्या होगी।'

शिनजियांग पर रिपोर्ट में हो सकती है देरी: यूएनएचआरसी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की निवर्तमान प्रमुख ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि हो सकता है, उनका कार्यालय अगले सप्ताह उनके कार्यकाल के अंत तक चीन के शिनजियांग क्षेत्र पर अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित रिपोर्ट जारी करने के अपने वादे को पूरा नहीं कर पाए। संवाददाताओं से बात करते हुए मिशेल बेशलेट ने कहा कि उनका कार्यालय उस समय सीमा के अंदर काम पूरा करने की कोशिश कर रहा है जो उन्होंने जून में खुद तय की थी। इससे कुछ समय पहले ही उन्होंने घोषणा की थी कि वह चार साल के एक और कार्यकाल के लिये इस पद पर नहीं बने रहना चाहेंगी। उनका मौजूदा कार्यकाल 31 अगस्त को खत्म हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के कार्यालय ने इसके संकेत नहीं दिए हैं कि उनकी जगह कौन ले सकता है। शिनजियांग के बारे में रिपोर्ट जारी करने में होने वाली देरी का मुद्दा बेशलेट के कार्यकाल के आखिरी महीनों में छाया रहा। इसके बारे में जिनेवा के कई राजनयिकों का मानना है कि उसे एक साल पहले ही पूरा कर लिया गया था। बेशलेट ने कहा कि उनके कार्यालय ने रिपोर्ट के ञनतीजोंञ के बारे में चीन को बता दिया है और अधिकारियों ने काफी संख्या में इस पर टिप्पणियां की हैं। यह एक आम चलन है कि संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय रिपोर्ट जारी करने से पहले संबद्ध देश को इसकी जानकारी देता है। बेशलेट ने कहा कि उनका कार्यालय सिर्फ संभावित तथ्यात्मक त्रुटियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बीजिंग जिन्हें जातीय उइगर और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के लिए व्यावसायिक केंद्र बताता है उनकी स्वतंत्र मानवाधिकार समूह निरोध केंद्रके तौर पर आलोचना करते हैं, जबकि अमेरिका सहित कुछ देशों ने बीजिंग पर शिनजियांग में नरसंहार करने का आरोप लगाया है।

ताइपे में अमेरिकी सीनेटर मार्शा ब्लैक बर्न ताइवानी राष्ट्रपति तसांग इन वेने के साथ एक बैठक में भाग लेती हुई।

अचानक यूक्रेन पहुंचे बोरिस जॉनसन

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बुधवार को यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर देश की अचानक यात्रा की और रूस के साथ चल रहे उसके संघर्ष में लगभग 5.4 करोड़ पाउंड के एक और बड़ी मदद की घोषणा की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के तौर पर यह जॉनसन की यूक्रेन के राजधानी कीव की अंतिम यात्रा थी। जॉनसनअगले महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री का पद छोड़ने वाले हैं ताकि नये प्रधानमंत्री के लिए रास्ता बनाया जा सके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद पर ब्रिटेन के पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक या विदेश मंत्री लिज ट्रस के बीच से कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों द्वारा औपचारिक रूप से चुना जाएगा।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के क्रूर और अवैध आक्रमण से अपनी संप्रभुता की रक्षा कर रहे यूक्रेन के प्रति ब्रिटेन के जारी समर्थन के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए जॉनसन ने घोषणा की कि यूक्रेन ''जीत सकता है और जीतेगा।'' जॉनसन ने कहा, ''पिछले छह महीनों से, ब्रिटेन यूक्रेन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, इस संप्रभु देश का इस बर्बर और अवैध आक्रमणकारी से बचाने के लिए समर्थन कर रहा है। आज का समर्थन पैकेज यूक्रेन के सशस्त्र बलों को क्षमता में एक और बढ़ावा देगा जिससे उन्हें रूसी सेना को पीछे धकेलने और अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ने में मदद मिलेगी।'' जॉनसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात भी की।

आतंकवाद मामले में इमरान खान को अंतरिम जमानत

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने राजधानी में एक रैली के दौरान पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकाने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ पिछले सप्ताह दर्ज आतंकवाद के मामले में उन्हें एक सितंबर तक अंतरिम जमानत दे दी है। आतंकवाद-निरोधी अदालत के न्यायाधीश राजा जवाद अब्बास हसन ने बृहस्पतिवार को खान को एक लाख रुपये के मुचलके पर एक सितंबर तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान की जमानत याचिका उनके बृहस्पतिवार को यहां पहुंचने से पहले अदालत में दायर की गई थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ आतंकवाद का मामला पुलिस द्वारा 'बदले की कार्रवाई' के रूप में दर्ज किया गया था। संघीय न्यायिक परिसर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, जहां पुलिस और फ्रंटियर कोर के जवान घटनास्थल पर तैनात थे। परिसर के आसपास की सड़कों को भी बंद कर दिया गया। इस बीच, खान गिरफ्तारी की संभावनाओं के मद्देनजर पार्टी ने अपने समर्थकों से आह्वान किया था कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया जाता है तो वे लोग (समर्थक) ''सड़कों पर उतरें और फिर अगले दिन इस्लामाबाद पहुंचें।''

खान (69) पर रविवार को इस्लामाबाद में एक सार्वजनिक रैली के दौरान एक महिला न्यायाधीश और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को 'धमकी' देने के कारण आतंकवाद-रोधी अधिनियम (आतंकवाद के कृत्यों के लिए सजा) की धारा-सात के तहत मामला दर्ज किया गया था। अपने संबोधन में, खान ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों, एक महिला मजिस्ट्रेट, पाकिस्तान के चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ किये गये व्यवहार को लेकर मामला दर्ज कराने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रैली में, उन्होंने न्यायपालिका को अपनी पार्टी के प्रति 'पक्षपातपूर्ण' रवैये के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि उसे परिणामों के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री ने अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को भी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी, जिन्होंने राजद्रोह के एक मामले में राजधानी पुलिस के अनुरोध पर उनके सहयोगी शाहबाज गिल को दो दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था। पीटीआई प्रमुख ने इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक और उप महानिरीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कराने की धमकी देते हुए कहा था, ''हम आपको नहीं बख्शेंगे।'' इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्हें तीन दिन की अवधि समाप्त होने से पहले सत्र अदालत से जमानत लेने के निर्देश के साथ तीन दिनों के लिए गिरफ्तारी से संरक्षण दिया था।

खान के खिलाफ प्राथमिकी में कहा गया है कि उनके भाषण ने पुलिस, न्यायाधीशों और देश में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा किया है। सुनवाई के बाद अदालत के बाहर मीडिया से बात करते हुए, खान ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया में 'हंसी का पात्र' बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले को लेकर दुनिया भर में खबरें चल रही हैं, जिसमें पाकिस्तान को 'बनाना रिपब्लिक ' के रूप में चित्रित किया गया था। उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी के सदस्य शाहबाज गिल को यातना और यौन शोषण का शिकार होना पड़ा और जवाब में, मैंने कहा कि मैं संबंधित पुलिस अधिकारियों और एक मजिस्ट्रेट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा, जिन्होंने यातना साबित होने के बावजूद उन्हें (गिल को) पुलिस हिरासत में वापस भेज दिया। लेकिन, विडंबना यह है कि मेरे खिलाफ एक आतंकी मामला भी दर्ज किया गया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री उम्मीदवार ने पत्नी के साथ की गौ पूजा, वायरल हुआ वीडियो, भारतीयों ने की जमकर तारीफ

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की रेस में आगे चल रहे ऋषि सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ लंदन में गौ पूजा करते नजर आए। अनुष्ठान के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया जमकर वायरस हो रही हैं। सोशल मीडिया पर ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों की लोग तारीफ कर रहे हैं।

ऋषि सुनक और उनकी पत्नी को वीडियो में गाय की पूजा करते और आरती करते देखा जा सकता है। यह सनक द्वारा भक्तिवेदांत मनोर मंदिर में अपने जन्माष्टमी समारोह की तस्वीरें पोस्ट करने के बाद आया है। सुनक ने पहले ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों का दिल जीता था जब उन्होंने पिछले साल दिवाली मनाई थी और अपने आधिकारिक आवास पर दीये (तेल के दीये) जलाए थे। इससे पहले, प्रतिद्वंद्वी लिज़ ट्रस द्वारा ऋषि सुनक के खिलाफ प्रधानमंत्री पद की दौड़ का नेतृत्व करने की खबरों के बीच, भारतीय प्रवासियों ने उनकी भलाई और जीत सुनिश्चित करने के लिए हवन का आयोजन किया। भारतीय प्रवासी ब्रिटेन में सबसे बड़े जातीय अल्पसंख्यकों में से एक है, जिसमें करीब 1.5 मिलियन लोग हैं, जो कुल आबादी का लगभग 2.5 प्रतिशत है। यह 2.5 प्रतिशत जीडीपी में लगभग 6 प्रतिशत का योगदान करने का अनुमान है। 2022 के लिए ग्रांट थॉर्नटन वार्षिक ट्रैकर ने संकेत दिया कि भारतीय कंपनियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 805 से बढ़कर 900 हो गई है, इस प्रकार राजस्व 54.4 बिलियन पाउंड हो गया है, जो 2021 में 50.8 बिलियन से अधिक है। सनक इस सफलता की कहानी का हिस्सा है। भारतीय प्रवासी जो अब कुछ ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

अमेरिका भारत को अपना जरूरी साझेदार मानता है: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)।

यूक्रेन के मुद्दे पर भारत व अमेरिका भले ही अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के तहत काम कर रहे हों लेकिन अमेरिका, भारत को अपना अपरिहार्य साझेदार मानता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन ज्यां पियरे ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷हम मानते हैं कि (भारतीय) साझेदार अपरिहार्य हैं। अमेरिका-भारत रणनीति साझेदारी स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।÷ प्रेस सचिव यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दोनों देशों के रिश्तों में दूरी आने के संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब दे रही थी।

उन्होंने कहा, 'आपने राष्ट्रपति को यह कहते हुए सुना है कि कानून का शासन और मानव स्वतंत्रता और गरिमा को बढ़ावा देना चाहिए।' ज्यां पियरे ने सवाल के जवाब में कहा, 'हमें अपने रिश्तों पर पूरा भरोसा है और आने वालों वर्षों में, हम नियम आधारित व्यवस्था की रक्षा, शांति, समृद्धि को बढ़ावा देने और हमारे लोगों की सुरक्षा तथा मुक्त और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने के अलावा दुनिया भर में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए एक साथ खड़े रहेंगे।' उन्होंने कहा कि अमेरिका स्पष्ट रूप से यूक्रेन के साथ खड़ा है।

भारत ने यूक्रेन में हिंसा रोकने का आह्वान किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

यूक्रेन में अशांति की स्थिति और हिंसा को तत्काल रोकने का आह्वान करते हुए भारत ने दोहराया कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने तथा संघर्ष से, खासकर विकासशील देशों में पैदा होने वाली आर्थिक चुनौतियों को कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति की वकालत करता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बुधवार को यूक्रेन में संघर्ष की शुरुआत के छह महीने बाद सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अंदर और बाहर रचनात्मक रूप से काम करना सामूहिक हित में है, ताकि जल्द से जल्द युद्ध का समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा, ''हम फिर से कहना चाहेंगे कि वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता और राज्यों की संप्रभुता के सम्मान पर टिकी हुई है।'' उन्होंने कहा, ''भारत अशांति की स्थिति और हिंसा को रोकने की वकालत करता रहा है। हम यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक से अधिक बार उनसे इस संबंध में बात की है।'' कंबोज ने कहा कि भारत, यूक्रेन संघर्ष से उत्पन्न होने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और भागीदार देशों के साथ काम करेगा। उन्होंने कहा कि युद्ध का प्रभाव केवल यूरोप तक ही सीमित नहीं है और इसने खासकर विकासशील देशों में खाद्य, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, ''भारत यूक्रेन की स्थिति पर बेहद चिंतित है। संघर्ष के परिणामस्वरूप उसके लोगों के लिए, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए जीवन की हानि और अनगिनत दुख हुए हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं और पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर हो गए हैं।'' यूक्रेन ने रूस के साथ जारी युद्ध के बीच बुधवार को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया और यह यूक्रेन पर रूसी हमला शुरू होने के छह महीने पूरे होने का भी दिन है। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने इस हमले के बाद रूस पर बड़े आर्थिक और अन्य प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की आलोचना नहीं की है। भारत कई बार रूस और यूक्रेन से कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर लौटने का आह्वान कर चुका है और दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त करने के सभी राजनयिक प्रयासों के लिए अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। यूक्रेन में तत्काल मानवीय राहत को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए, कंबोज ने कहा कि मानवीय कार्रवाई को हमेशा मानवीय सहायता, यानी मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए और इन उपायों का कभी भी राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में, भारत ने यूक्रेन और पड़ोसी देशों जैसे रोमानिया, मोल्दोवा, स्लोवाकिया और पोलैंड को लगभग 97.5 टन मानवीय सहायता की 11 खेप भेजी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और उसके पड़ोसी देशों ने इस साल फरवरी-मार्च में लगभग 22,500 भारतीय नागरिकों के बचाव और निकासी अभियान में अपना पूरा समर्थन दिया। कंबोज ने कहा, ''यह मानवीय सहायता और मदद भारत सरकार के मानवता केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है, जो हमारे राष्ट्रीय विश्वास और मूल्यों का एक केंद्रीय सिद्धांत है, जो पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता है।''

पाकिस्तान में बाढ़ संबंधी घटनाओं में 937 लोगों की मौत, राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान सरकार ने देश में बारिश के कारण आई बाढ़ में अब तक 343 बच्चों समेत 937 लोगों की मौत और कम से कम तीन करोड़ लोगों के बेघर होने के बाद राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, सिंध प्रांत में 14 जून से बृहस्पतिवार तक बाढ़ और बारिश से संबंधित घटनाओं में 306 लोगों की जान जा चुकी है। मानसून के मौजूदा मौसम में बलूचिस्तान में 234 लोगों की मौत हुई, जबकि खैबर पख्तूनख्वा तथा पंजाब प्रांत में क्रमशः 185 और 165 लोगों की जान चली गई।

वहीं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 37 और गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में नौ लोगों की मौत हुई है। समाचार पत्र 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार, एनडीएमए के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में अगस्त माह में 166.8 मिमी बारिश हुई, जो इस अवधि में औसतन होने वाली 48 मिमी बारिश से 241 प्रतिशत अधिक है। इस मानसून में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र सिंध और बलूचिस्तान में क्रमशः 784 प्रतिशत और 496 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई।

खबर के अनुसार, बारिश में असामान्य वृद्धि के कारण पाकिस्तान के दक्षिणी हिस्से में अचानक बाढ़ आ गई, जिसके कारण सिंध के 23 जिलों को ''आपदा प्रभावित'' घोषित किया गया है। इस बीच, जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एनडीएमए में एक 'वॉर रूम' स्थापित किया है, जो देशभर में राहत कार्यों का नेतृत्व करेगा। उन्होंने बताया कि लगातार हो रही ''भयावह'' बारिश के कारण ''राहत कार्यों को अंजाम देने में परेशानी आ रही है, खासकर हेलीकॉप्टर के माध्यम से।'' मंत्री ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' पाकिस्तान में मानसून का आठवां दौर जारी है, आम तौर पर देश में मानसून की बारिश तीन से चार दौर में ही होती है। पाकिस्तान अभूतपूर्व मानसून का सामना कर रहा है और आंकड़ों के अनुसार सितंबर में एक और दौर आने की आशंका है।'' इस सप्ताह की शुरुआत में 2010 की विनाशकारी बाढ़ के साथ मौजूदा स्थिति की तुलना करने वाली रहमान ने कहा कि मौजूदा स्थिति उससे बदतर है। सांसद के अनुसार, भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में देश के विभिन्न क्षेत्रों में पुल

और संपर्क के बुनियादी ढांचे बह गए।

उन्होंने कहा, '' करीब तीन करोड़ लोग बेघर हो गए हैं...उनमें से कई के पास खाने को कुछ नहीं है।'' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मदद की गुहार लगाते हुए उन्होंने कहा कि प्रांतों ने जो जानकारी दी है उसके अनुसार वहां मदद की जरूरत है। उन्होंने बताया कि सिंध प्रशासन ने 10 लाख तंबू मांगे हैं और बलूचिस्तान ने एक लाख तंबू की मांग की है। सभी तंबू बनाने वालों से सम्पर्क किया गया है और अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से भी मदद मांगी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली के स्कूलों में फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ पेरेंट्स का फूटा गुस्सा, स्कूल के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली । दिल्ली के स्कूलों में फीस की बढ़ोतरी होने के बाद अभिभावकों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। दिल्ली के रोहिणी स्थित डीपीएस स्कूल ने अपनी फीस बढ़ा दी है जिसके खिलाफ अभिभावक स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। अभिभावक स्कूल के बाहर हाथों में तख्तियां लेकर खड़े है और फीस में इजाफे का फैसला कम करने की मांग कर रहे है। बताया जा रहा है कि 25 अगस्त की सुबह-सुबह अभिभावक रोहिणी के दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने जमा हुए थे और स्कूल प्रशासन के खिलाफ नारे लगा रहे थे। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने फीस में बहुत ज्यादा इजाफा किया है। इतनी फीस भरने के लिए कोई भी इतना सक्षम नहीं है। पिछले 6 महीने से फीस में इजाफे के फैसले को वापस लेने की मांग की जा रही है। अभिभावकों ने कहा कि वह फीस वृद्धि का फैसला कम कराने के लिए सरकारी अधिकारियों से भी मिल चुके है लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकलता। अभिभावकों के मुताबिक, सरकारी अधिकारी उन्हें केवल आश्वासन देकर वापस भेज देते है। बता दें कि स्कूल प्रशासन से जुड़े लोगों में से कोई भी बात करने को तैयार नहीं है।

आप विधायक सोमनाथ भारती बोले- भाजपा ने दो बार हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश की

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में काबिज आम आदमी पार्टी सरकार के विधायक सोमनाथ भारती ने भाजपा पर उनकी पार्टी के विधायकों को पैसे का लालच देने में विफल रहने के बाद उन्हें हनीट्रैप में फंसाने का आरोप लगाया है। इसके लिए उन्होंने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल, मालवीय नगर से विधायक सोमनाथ भारती ने दावा किया कि बुधवार से उन्हें हनीट्रैप में फंसाने के दो प्रयास किए जा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे बीजेपी का हाथ है क्योंकि वह आप विधायकों को पैसे या केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच की धमकी देने में विफल हो रही है। सोमनाथ भारती ने ट्वीट किया और लिखा, 'यह साझा करते हुए हैरान हूं कि बीजेपी द्वारा हमें ईडी/सीबीआई छापे के साथ पैसे का लालच देने या डराने में विफल होने के बाद, कल (बुधवार) से मुझे हनीट्रैप में फंसाने की यह दूसरी कोशिश है। मैं दिल्ली पुलिस से इसकी जांच करने का आग्रह करता हूं क्योंकि मुझे पूरा शक है कि इसके पीछे बीजेपी का हाथ है। वे आप सरकार के पीछे पड़ी है।' ट्वीट में आप विधायक ने अपने फोन पर भेजे गए व्हाट्सएप मैसेजों के स्क्रीनशॉट भी संलग्न किए। बाद में गुरुवार शाम को भारती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। आप नेता ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज करा दी है। आशा है कि अब सच्चाई सामने आ जाएगी।' इससे पहले दिन में, आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया था कि उसके दिल्ली के 40 विधायकों को बीजेपी ने निशाना बनाया है और प्रत्येक को दल बदलने के लिए 20 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है। वहीं बीजेपी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह आप सरकार द्वारा सीबीआई और ईडी द्वारा जांच किए जा रहे शराब 'घोटाले' से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास है।

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश, तीनों आतंकी ढेर

श्रीनगर। पाकिस्तानी आतंकवादी 25 अगस्त को उरी सेक्टर से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक निगरानी गैजेट्स द्वारा आतंकवादियों का पता लगाया गया था। सेना के सतर्क जवानों ने 3 आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय सेना द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को दिखाया गया है। सेना के अधिकारियों के अनुसार, तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों ने गुरुवार, 25 अगस्त को उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में मदियान नानक चौकी के पास भारत में घुसने का प्रयास किया। विशिष्ट खुफिया सूचना मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरणों द्वारा उनका पता लगाया गया। अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई और घटनास्थल पर मौजूद भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने आतंकवादियों को मार गिराया। श्रीनगर स्थित पीआरओ, रक्षा, कर्नल इमरोन मुसावी ने कहा कि आतंकवादी घुसपैठ करने के लिए घने अंडरग्राउंड, पत्ते और बारिश और कम बादलों के कवर का उपयोग करने की उम्मीद कर रहे थे। कर्नल मुसावी ने कहा, आतंकवादियों के साथ संपर्क 25 अगस्त को सुबह लगभग 8.45 बजे एलओसी के भारतीय हिस्से के आगे के इलाकों में स्थापित किया गया था, जिससे भारी गोलीबारी हुई जिसमें आतंकवादी मारे गए। प्रवक्ता ने कहा कि इलाके की विस्तृत तलाशी दोपहर दो बजे पूरी की गई और तीन आतंकवादियों के शव, दो एके राइफल, एक चीनी एम-16 राइफल और अन्य युद्ध जैसे सामान बरामद किए गए। कर्नल मुसावी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और खुफिया-आधारित अभियानों का उपयोग जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सेना के अभियानों का मुख्य आधार बना हुआ है।

असम पुलिस का ऑपरेशन 'आतंकी साफ'! राज्य में अलकायदा से जुड़े 34 लोगों को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली । असम में आतंकी की गिरफ्तारी के बाद वहां कि पुलिस काफी चौकन्नी हो गयी हैं। राज्य अलर्ट पर है और पुलिस की छापेमारी तेज है। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार असम पुलिस मुश्तैदी से राज्य नें आतंकी गतिविधियों के सारे तार काटना चाहती हैं। इस कड़ी में असम पुलिस ने राज्य में अल-कायदा से जुड़े 34 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया से बात करते हुए, डीजीपी असम भास्कर ज्योति महंत ने कहा, अल-कायदा से जुड़े 34 से अधिक लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। असम पुलिस इस तरह की साजिशों को कामयाब नहीं होने देगी। कुछ सेना प्रशिक्षण शिविर बांग्लादेशियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। असम के डीजीपी ने यह भी कहा कि राज्य में कुछ नए समूह उभर रहे हैं और कट्टरपंथ फैलाने के लिए युवाओं का फायदा उठा रहे हैं। डीजीपी महंत ने कहा असम में मदरसों के विभिन्न प्रकार के समूह हैं। कुछ नए समूह उभर रहे हैं और लाभ उठा रहे हैं। असम के बाहर से साजिश, वर्तमान में बांग्लादेश और अल-कायदा से जुड़े समूहों से, युवाओं को कट्टरता फैलाने के लिए प्रभावित कर रहा है।

सिद्धू के पिता की शिकायत पर पंजाबी म्यूजिक कंपनी से जुड़े दो लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज

चंडीगढ़ । पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। सिद्धू मूसेवाला हत्या मामले में पुलिस के मुताबिक सिद्धू के पिता ने डीजीपी को म्यूजिक कंपनी से जुड़े दो लोगों के खिलाफ शिकायत दी थी। पुलिस ने दो और लोगों को इस मामले में नामजद किया है। यह दोनों पंजाबी म्यूजिक कंपनी में काफी चर्चित हैं, इनके पास सिद्धू मूसेवाला के करीब 50 से भी ज्यादा गाने हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो पुलिस इन दोनों पर एक्शन लेने की तैयारी कर रही है। जिस दिन से सिद्धू के पिता ने एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है उसी दिन से लगातार एसएसपी मानसा के साथ-साथ बड़े अधिकारी भी सिद्धू के पिता के साथ संपर्क में हैं और उन्हें समझाने की कोशिशों में लगे हुए थे। चालान में म्यूजिक कंपनी के दो बड़े नामों को पुलिस ने नामजद किया गया है। ये नाम नवजोत सिंह पंढेर और कनवर ग्रेवाल हैं, जिनके नाम मामले में नामजद किए गए हैं।

मूसेवाला केस मामले में कोर्ट में जल्द चालान पेश किया जाएगा। डीजीपी पंजाब ने खुद बलकार सिंह से इस मामले को लेकर बातचीत की थी। इससे पहले यूट्यूब ने सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद रिलीज ?किया गया गीत हटा दिया था और इसके बाद पंजाबी सिंगर कंवर ग्रेवाल का गाना रिहाई भी हटा दिया गया। बता दें पंजाब के मनसा में 29 मई को आपसी रंजिश में कुछ लोगों ने सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया था। सिद्धू मूसेवाला बेहतरीन गायकों में से एक थे। साल 2017 में जी वैगन गाने से अपनी गायकी की शुरुआत करने के बाद सिद्धू मूसेवाला अपने एल्बमों से लोकप्रियता की ओर बढ़े। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और प्रशंसक और कलाकार दुख जताने के लिए एक साथ आए थे।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मांगा अग्निपथ स्कीम पर केंद्र सरकार से जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने अग्निपथ योजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट में अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाले मामले की सुनवाई बीते गुरुवार को हुई। इस सुनवाई में कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने केंद्र सरकार को चार हफ्ते के भीतर इस मामले में जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि वह अंतरिम रोक लगाने की बजाय मामले की सुनवाई करेंगे। केंद्र सरकार के लिए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वे सभी याचिकाओं पर एक साथ जवाब दाखिल करेंगे। इसपर अदालत ने कहा कि याचिकाएं सैनिक, वायु सैनिक, आदि के पदों पर भर्ती से संबंधित है, इसलिए केंद्र को व्यक्तिगत मामलों में भी विस्तृत प्रतिक्रिया दर्ज करनी चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि हम इस मुद्दे को लंबे समय तक नहीं खींचना चाहते। इस मामले में कई तरह की विभिन्न श्रेणियां हैं। कोर्ट ने कहा कि उसके पास इस मामले की एक पूरी सूची है। ऐसे मामले हैं जहां चयन समाप्त हो गया है या जहां चयन बीच में है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आप जवाब दाखिल करें। हम इस मामले को अंत में सुनेंगे। कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को करेगा। अग्निपथ योजना में 17.5 से 21 वर्ष की आयु के लोगों को चार साल के लिए सेना में भर्ती करने का प्रावधान है। इस योजना की घोषणा 14 जून को की गई थी। योजना के अनुसार कुल भर्ती किए गए सैनिकों में से केवल 25 प्रतिशत को परमानेंट करने की बात की गई है। परमानेंट किए गए सैनिकों का कार्यकाल 15 साल का होगा। योजना की घोषणा के तुरंत बाद कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। भारी विरोध प्रदर्शन के कारण सरकार ने योजना में भर्ती होने वालों का उम्र की सीमा 21 साल से बढ़ाकर 23 साल कर दी। इस योजना को देश के कई हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पंजाब-हरियाणा, केरल, उत्तराखंड और पटना में दायर याचिकाओं को दिल्ली हाई कोर्ट ट्रांसफर कर दिया जाए। कई याचिकाकर्ता ने कहा था कि वो चाहते हैं कि इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के बाद अगर याचिकाकर्ता असंतुष्ट रहते है तो वह सुप्रीम कोर्ट आ सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से योगी को मिली बड़ी राहत, हेच स्पीच मामले में नहीं चलेगा केस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने 2007 के हेट स्पीच के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वर्ष 2007 के कथित नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित उस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हैं। उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ सुनवाई की। फरवरी, 2018 में दिए गए अपने फैसले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि उसे जांच या मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी देने से इनकार करने की निर्णय लेने की प्रक्रिया में कोई प्रक्रियागत त्रुटि नहीं मिली। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता फुजैल अहमद अय्यूबी ने सुप्रीम कोर्ट में उल्लिखित मुद्दों में से एक का जिक्र किया, जो इस प्रकार है, क्या राज्य किसी आपराधिक मामले में प्रस्तावित आरोपी के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 196 के तहत आदेश पारित कर सकता है, जो इस बीच मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाते हैं और संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत प्रदत्त व्यवस्था के अनुसार कार्यकारी प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हाईकोर्ट द्वारा नहीं निपटाया गया था। पीठ ने कहा एक और मुद्दा एक बार जब आप निर्णय और सामग्री के अनुसार गुण-दोष देखते हैं, तो यदि कोई मामला नहीं बनता है, तो मंजूरी का सवाल कहां है। शीर्ष अदालत ने कहा अगर कोई मामला है, तो मंजूरी का सवाल आएगा। अगर कोई मामला नहीं है, तो मंजूरी का सवाल ही कहां है। इस पर अय्यूबी ने कहा कि मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार करने के कारण मामला बंद करने की रिपोर्ट दाखिल की गई है। उत्तर प्रदेश की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि मामले में कुछ भी नहीं बचा है।

भाजपा नीत केंद्र सरकार 'सीरियल किलर' की तरह बर्ताव कर रही है : सिसोदिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाफ केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी ''पूरी तरह से फर्जी'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकारों को गिराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार एक ''सीरियल किलर'' की तरह बर्ताव कर रही है। सिसोदिया ने दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में यह बात कही। सिसोदिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह दूसरों के अच्छे कामों को लेकर ''असुरक्षित'' महसूस करते हैं।

सिसोदिया ने विधानसभा में कहा, '' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरों के अच्छे कामों को देखकर असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। मैंने अपने जीवन में असुरक्षा की भावना से इतना अधिक पीड़ित कोई इंसान नहीं देखा। अगर अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री होते और मैं किसी और सरकार में शिक्षा मंत्री होता तो वह ऐसा कुछ नहीं करते।'' उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने केंद्र की सभी अच्छी पहलों में प्रधानमंत्री का समर्थन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने हमेशा इसके विपरीत किया। सिसोदिया ने कहा कि सीबीआई के अधिकारियों ने 14 घंटे की छापेमारी के दौरान उनके और यहां तक कि उनके बच्चों के कपड़ों की भी तलाशी ली, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला।

उन्होंने कहा, '' मेरे खिलाफ प्राथमिकी पूरी तरह फर्जी है। मैंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया.... राज्य सरकारों को गिराने के लिए वे (भारतीय जनता पार्टी) 'सीरियल किलर' की तरह बर्ताव कर रहे हैं। राज्य सरकारों को गिराने के लिए वे जितने प्रयास कर रहे हैं, उन्हें वे प्रयास स्कूलों तथा अस्पतालों के निर्माण के लिए करने चाहिए।'' उपमुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की आबकारी नीति 2021-22 का बचाव किया, जिसे अब वापस ले लिया गया है। सिसोदिया ने सदन में कहा, ''हमारी आबकारी नीति से लोगों पर कोई बोझ नहीं पड़ा, बल्कि सरकारी राजस्व में वृद्धि हुई, फिर भी भाजपा इसमें भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है।

दिल्ली की शराब नीति पंजाब में लागू कर मान सरकार ने की 500 करोड़ रुपए की कमाई : बादल

चंडीगढ़ । शराब घोटाले को लेकर पंजाब की आप सरकार पर शिरोमणि अकाली दल ने हमला बोला है। शिरोमणि अकाली दल (बादल) के प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि दिल्ली की शराब नीति को पंजाब में लागू कर मान सरकार ने 500 करोड़ की कमाई की है। बादल ने कहा कि शराब नीति से जो पैसा एकत्रित हुआ है, उसका उपयोग आम आदमी पार्टी ने पंजाब चुनाव जीतने में उपयोग किया था। उन्होंने इसकी शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

शिरोमणि अकाली दल ने आरोप लगाया कि आप ने दिल्ली की शराब नीति को लागू करके मोटी कमाई की है। सुखबीर बादल ने शराब नीति पर हुए भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने आगे कहा कि वह ईडी और सीबीआई से मिलकर इस मामले की शिकायत दर्ज कराएंगे। आगे बादल ने बताया कि नीति बनने से पहले हयात होटल चंडीगढ़ के 5वें फ्लोर पर यह मीटिंग हुई थी। प्लानिंग के बाद दिल्ली में 30 मई और 6 जून को मीटिंग हुई। इन कंपनियों के नाम भी सीधे नहीं बल्कि मैंगो और क्यूकुंबर के कोड वर्ड में रखे गए थे। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री पर जांच का शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उनके घर पर पड़े छापे के बाद से लगातार भाजपा और आप के बीच जुबानी जंग जारी है। भाजपा का आरोप है कि दिल्ली सरकार ने शराब नीति के नाम पर बड़ा घोटाला किया है। यह भी आरोप है कि इन पैसों का प्रयोग पंजाब चुनाव में किया गया है।

हरियाणा के अंबाला में एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत, सुसाइड नोट किया गया बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हरियाणा के अंबाला शहर के बलाना गांव में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी मच गई है। पुलिस के मुताबिक, परिवार रात को खाना खाकर सोया था और उसके बाद सुबह उठा ही नहीं। बताया जा रहा है कि परिवार की सबसे छोटी बेटी का आज यानि शुक्रवार को जन्मदिन था।

अंबाला के डीएसपी जोगिंदर शर्मा ने न्युज एजेंसी एनएआई को बताया कि हम जब यहां पहुंचे तो एक ही परिवार के 6 सदस्यों को मृत हालत में पाया। क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया है और घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है, जांच जारी है।

इससे पहले मध्य प्रदेश के इंदौर से भी ऐसी ही घटना सामने आई जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि अमित यादव लोन देने वाले ऐप के धोखाधड़ी में फंस गया था जिसके कारण उसके ऊपर बहुत ज्यादा कर्ज आ गया था। अमित ने पहले अपनी पत्नी फिर दोनों बच्चों को जहर देकर मौत की नींद सुलाया फिर खुद फांसी लगा ली। घर से एक ससुाइड नोट भी बरामद हुआ जिसपर लिखा था, 'आदमी बुरा नहीं हूं, लेकिन हालात ने ऐसा कर दिया'।

चुनावों में मुफ्त वादों पर लगेगी रोक सुप्रीम कोर्ट ने रेवड़ी कल्चर केस को 3 जजों की बेंच को भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट के द्वारा आज राजनीतिक दलों के द्वारा बनाए गए 'रेवड़ी कल्चर' के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाए जाने की उम्मीद थी। लेकिन, ऐसा नहीं हो सका। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले को तीन जजों वाली बेंच को भेज दिया है। राजनीतिक दलों द्वारा 'मुफ्त उपहार' पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि लोकतंत्र में सच्ची शक्ति मतदाताओं के पास होती है और मतदाता ही पार्टियों और उम्मीदवारों का न्याय करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'मुफ्त उपहार' के मुद्दे की जटिलता को देखते हुए इस मामले तो तीन जजों की बेंच के पास भेजा गया है। आपको बता दें कि सीजेआई एनवी रमना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव में किए गए मुफ्त वाले वादों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आज सीजेआई रमना रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि इस मामले पर फैसले आ सकते हैं। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। दिल्ली बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर याचिका ने देश में 'रेवाड़ी कल्चर' पर एक बड़ी बहस शुरू कर दी है। बुधवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा था कि अदालत को राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के दौरान इस तरह की घोषणा को लेकर विचार करना होगा। इस दौरान कोर्ट ने कल्याणकारी योजनाएं और मुफ्त के वादे के बीच का अंतर भी बताया था।

देश भर में 10,000 पोस्ट ऑफिस खुलने वाले, ड्रोन के माध्यम से होगी सामान की डिलेवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय डाक अपनी सेवाओं के विस्तार के लिए इस साल नए डाकघर खोलने वाला है। डाक विभाग सरकारी सर्विस प्रदान करने के लिए प्रोडेक्टस और तकनीक पर काम कर रहा है। इस साल देशभर में 10,000 पोस्ट ऑफिस खुलने वाले हैं। मोदी सरकार ने पोस्ट ऑफिसों के आधुनिकीरण के लिए विभाग को 52,00 करोड़ रुपये का फंड प्रदान किया है। केंद्र की कोशिश डिलीवरी सिस्टम को बेहतर बनाने की है। आने वाले दिनों में हो सकता है कि पोस्ट ऑफिस ड्रोन के माध्यम से भी डिलीवरी करते हुए नजर आए।

डॉक विभाग के सचिव अमन शर्मा ने पोस्ट ऑफिस के आधुनिकीरण के प्लान के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में गुजरात में ड्रोन के माध्यम से डिलीवरी की है। सरकार ने हमें आईटी प्रोजेक्टस को आगे बढ़ाने के लिए कहा है, जिसकी शुरुआत हमारे द्वारा 2012 में की थी। लोगों को डाक और विभिन्न सरकारी सेवाएं आने वाले दिनों में घर के दरवाजे पर मिलेंगी। शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में लोगों को डाकघर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डाक विभाग तकनीक के जरिए मदद और सेवाएं लोगों के दरवाजे पर पहुंचाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने हमें अपनी पहुंच को बढ़ाने के लिए नए डाकघर खोलने को कहा है। हमें अभी 10,000 और डाकघर खोलने की अनुमति मिली है।

शर्मा ने कहा, सरकार चाहती है कि लोगों को उनके घर के पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध हो सके। इसकारण नए डाकघर स्थापित किए जा रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में 10,000 नए पोस्ट ऑफिस खोले जाएंगे। इसके बाद देश में पोस्ट ऑफिसों की कुल संख्या 1.7 लाख होगी। शर्मा के अनुसार, नए डाकघर दूर-दराज के इलाकों में ईंट-पत्थर के ढांचे के हो सकते हैं। भारतीय डॉक डिलीवरी सेवाओं के अलावा कई तरह की सेविंग स्कीम चलाता है। किसान विकास पत्र और रेकरिंग डिपॉजिट जैसी स्कीम पोस्ट ऑफिस ही ऑपरेट करता है। इसके अलावा सरकार की तमाम स्कीमों का फायदा भी पोस्ट ऑफिस से लिया जा सकता है। डाक जीवन बीमा (पीएलआई), ग्रामीण डाक जीवन बीमा, बिल संग्रह, फॉर्म की बिक्री जैसी सेवाएं भी डॉक विभाग द्वारा किया जाता है। भारतीय नागरिक पोस्ट ऑफिस में नेशनल मंथली सेविंग स्कीम, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना खाता और सुकन्या समृद्धि खाता आदि खुलवा सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्य सरकार जनसमस्याओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए नीति निर्माण को देती है प्राथमिकता

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत में तीन दिवसीय 'वाइब्रेंट वीवर्स एक्सपो' का किया उद्घाटन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश के ग्रोथ इंजन गुजरात में विकास की गति को प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में और भी तीव्र बनाने के लिए उनकी टीम लगातार कर्तव्यरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मूलभूत विषयों के प्रति ध्यान केंद्रित कर सभी का विकास करने की मंशा है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को सूरत में फेडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोगवा) की ओर से दिनांक 26 से 28 के दौरान आयोजित तीन दिवसीय 'वाइब्रेंट वीवर्स एक्सपो-2022' का उद्घाटन करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने वीवर्स एक्सपो के विभिन्न स्टालों का दौरा कर प्रदर्शकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने यहां विभिन्न वीविंग उत्पादों की जानकारी हासिल की। देश के वस्त्र उद्योग में गुजरात के योगदान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुल वस्त्र निर्यात में गुजरात का हिस्सा 12 फीसदी और मैन मेड फाइबर के उत्पादन में 38 फीसदी है। वहीं, आर्ट सिल्क फैब्रिक के उत्पादन में सूरत देश में 50 फीसदी योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में दो दशक पूर्व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) की संख्या 2.74 लाख थी, जो बढ़कर आज 8.66 लाख पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक उत्पादन के मामले में गुजरात की लंबी छलांग का उल्लेख करते हुए कहा कि दो दशक पहले गुजरात में औद्योगिक उत्पादन 2.27 लाख करोड़ रुपए था, जो आज बढ़कर 16.19 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि नई टेक्नोलॉजी, नए पैटर्न और कौशल उन्नयन के सहारे राज्य का कपड़ा उद्योग गति पकड़ रहा है, जिसमें सूरत का योगदान विशेष है। उन्होंने विश्वास जताया कि वीवर्स एक्सपो बेस्ट प्रैक्टिसेज यानी सर्वोत्तम प्रथाओं, नेटवर्किंग और आइडिया क्रिएशन का जरिया बनेगा। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल वीविंग उद्योग गुजरात के कुशल और अकुशल लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करता है। ऐसे में सरकार यह भलीभांति जानती है कि संबंधित व्यापारी अपनी मूलभूत समस्याओं के बारे में अधिक जानकार होते है। इस बात को ध्यान में रखकर राज्य सरकार जनसमस्याओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए नीति निर्माण को प्राथमिकता देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के संकट काल में भी गुजरात ने अपनी विकास यात्रा को अविरत आगे बढ़ाया है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें आपदा को अवसर में तब्दील करने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई 'वाइब्रेंट गुजरात' की पहल से गुजरात के व्यापार-व्यवसाय को नई दिशा मिलने से राज्य के उद्योगों ने विकास के क्षेत्र में दुनिया को अपनी विशिष्ट क्षमता का परिचय कराया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में गुजरात पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है। राज्य सरकार गाय के गोबर से गैस और लिक्विड (स्लरी) के उत्पादन के लिए वित्तीय सहायता मुहैया कराती है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात को लेकर निरंतर प्रयासरत है कि कृषि उत्पादों के अधिक लाभकारी मूल्य के लिए किसान वैल्यू एडिशन यानी मूल्य संवर्धन अपनाने की दिशा में आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एग्जीबिशन में खरीदार कपड़ा उत्पादकों के साथ सीधा संपर्क कर सकता है। उन्होंने एक साथ, एक ही स्थान पर गुजरात भर में उत्पादित होने वाले अलग-अलग वीवरों के अलग-अलग वैरायटियों के कपड़े देखकर आयोजकों को इस सुचारु आयोजन के लिए बधाई दी।

केंद्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देश भर में फहराए गए 20 करोड़ तिरंगों में से 7.50 करोड़ तिरंगों का उत्पादन कर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने अपनी क्षमता के प्रदर्शन के साथ ही आत्मनिर्भरता का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्रीमती जरदोश ने कहा कि केंद्र सरकार ने मैन मेड फाइबर और टेक्निकल टेक्सटाइल को गति देने के लिए प्रोत्साहक योजनाएं लागू की हैं। देश में 'पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (पीएम मित्र)' पार्कों के अंतर्गत सड़क, रेल और बंदरगाह जैसी कनेक्टिविटी के मामले में गुजरात अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क के लिए 13 राज्य भी सहमत हुए हैं, जिनमें से गुजरात बजट में विशेष प्रावधान कर इसके क्रियान्वयन में अव्वल रहा है। सांसद और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने कहा कि आधुनिक टेक्नोलॉजी से सुसज्जित वीविंग इकाइयों से कपड़ों की नित नई वैरायटियों के जरिए सूरत के टेक्सटाइल उद्योग को रफ्तार मिली है। यदि टेक्सटाइल उद्योग को शांतिपूर्ण औद्योगिक माहौल और सहारा मिलता रहे तो इसकी मौलिकता को पंख लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरल औद्योगिक नीतियों और प्रशासनिक सहयोग ने केवल टेक्सटाइल उद्योग ही नहीं बल्कि सभी उद्योगों में नए प्राण फूंक दिए हैं। पाटिल ने कहा कि गुजराती अबने हाथ देने के लिए लंबे करते हैं, लेने के लिए नहीं। गुजरात पूरे देश में सबसे ज्यादा रोजगार उपलब्ध करा रहा है। कोरोना काल में गुजरात से सबसे ज्यादा श्रमिक ट्रेन अन्य राज्यों में गई थीं। उन्होंने कहा कि हीरा और वस्त्र उद्योग के साहसिक उद्यमियों ने अपनी मौलिकता से उद्योग का विकास किया है। उन्हें जहां कहीं भी आवश्यकता पड़ी है, वहां सरकार ने पूर्ण सहयोग दिया है। ये उद्यमी देश और दुनिया की आवश्यकतानुसार कपड़े का उत्पादन और नई इंडस्ट्रीज स्थापित कर हजारों रोजगारों का सृजन करने में योगदान दे रहे हैं।

फोगवा के अध्यक्ष अशोक जीरावाला ने कहा कि कपड़ा उद्योग खेती के बाद सबसे ज्यादा रोजगार देने में अग्रसर है। टेक्सटाइल क्षेत्र सूरत के 20 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है।

वहीं, 2 लाख घरों की महिलाएं घर बैठे टेक्सटाइल जॉब वर्क के जरिए प्रतिमाह 10 से 20 हजार रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बायर सेलर्स यानी क्रेता-विक्रेता एग्जीबिशन आयोजित करने का उद्देश्य वीविंग क्षेत्र के छोटे-छोटे वीवरों को एक साथ लाखों खरीदारों के समक्ष अपनी वीविंग कुशलता प्रदर्शित करने का अवसर देना है। कुल 128 स्टॉलों वाला यह एक्जीबिशन कपड़ा उत्पादक और खरीदार, दोनों के लिए लाभदायी सिद्ध होगा। अग्रणी श्री हरिभाई कथीरिया ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्षसंघवी, महापौर श्रीमती हेमाली बोघावाला, विधायक अरविंद राणा, विवेक पटेल, प्रवीण घोघारी सहित उद्योग जगत के अग्रणी धीरूभाई शाह, संजय सरावगी, साहिल मुलतानी, आलोकभाई, ललितभाई, सिद्धार्थभाई और हरेशभाई सहित टेक्सटाइल उद्योगपति, वीवर और वीविंग इकाइयों के संचालक उपस्थित रहे।

छोटाउदपुर में पुणे के युवक का दिल धड़कता है सूरत के युवक, 120 मिनट में हार्ट प्लेन से हुआ सफल ट्रांसप्लांट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू हो गया है। गुजरात का पहला अंतरराज्यीय हृदय प्रत्यारोपण सूरत के महावीर अस्पताल में किया गया है। छोटा उदयपुर निवासी पुणे के सूरत में एक युवक का दिल धड़कता है। पुणे के एक 28 वर्षीय व्यक्ति जिसे ब्रेन हैमरेज के कारण डीवाई पाटिल अस्पताल, पिंपरी, पुणे में ब्रांडेड किया गया था, उसके परिवार ने गुर्दे, यकृत, हृदय, फेफड़े और आंखें दान करने का फैसला किया। पुणे के इस युवक के दिल को चार्टर्ड प्लेन से 120 मिनट में सूरत पहुंचाया गया। दिल को समय पर सूरत लाने के लिए पुणे और सूरत पुलिस के सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

महावीर अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण सूरत में पहली बार छोटा उदेपुर निवासी 35 वर्षीय महावीर अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण किया गया। गुजरात में पहली बार हृदयदान की शुरुआत दिसंबर 2015 में सूरत से हुई थी। जगदीशभाई पटेल नाम के 57 वर्षीय ब्रांडेड व्यक्ति को महावीर अस्पताल से डोनेट लाइफ के माध्यम से दान किया गया और मुंबई के फोर्टिस अस्पताल में प्रत्यारोपित किया गया।

सूरत से किए 40 हृदयदान गुजरात में अब तक 65 हृदयदान किए जा चुके हैं। जिनमें से 40 दिल सूरत से डोनेट लाइफ संगठन के माध्यम से दान किए गए हैं, जिसे मुंबई, चेन्नई, दिल्ली, इंदौर और अहमदाबाद जैसे देश के विभिन्न शहरों के अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों को ट्रांसप्लांट किया गया है। सूरत से दान किए गए दिलों को मुंबई और चेन्नई के अस्पतालों में संयुक्त अरब अमीरात, यूक्रेन और रूस के नागरिकों में प्रत्यारोपित किया गया।

सूरत में किडनी, लीवर और अब हार्ट ट्रांसप्लांट धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से मेडिकल हब बनने की ओर बढ़ रहा है। 2021 से सूरत के किरण अस्पताल में कैडवेरिक किडनी ट्रांसप्लांट शुरू हो गया है। 2021 में किरण अस्पताल में कैडवेरिक लीवर ट्रांसप्लांट की शुरुआत और अब 2022 में महावीर अस्पताल में हार्ट ट्रांसप्लांट के कारण सूरत और दक्षिण गुजरात के मरीजों को ट्रांसप्लांट के लिए देश के अलग-अलग शहरों में जाना पड़ा। लेकिन अब सूरत में विभिन्न अंगों का प्रत्यारोपण शुरू होने के कारण अब देश के जाने-माने ट्रांसप्लांट सर्जन सूरत आ रहे हैं और ट्रांसप्लांट कर रहे हैं. इसका फायदा सूरत, दक्षिण गुजरात और गुजरात के मरीजों को मिल रहा है.

डोनेट लाइफ द्वारा नवजीवन और नवी दृष्टि बख्शी सूरत और दक्षिण गुजरात के कुल 936 व्यक्तियों को कुल 1023 अंग और टीएसयू दान किए गए हैं। जिसमें 430 किडनी, 183 लीवर, 8 अग्न्याशय, 40 दिल, 26 फेफड़े, 4 हाथ और 332 आंखें दान की गई हैं, कुल 936 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक एक नया जीवन और एक नई दृष्टि दी गई है।